कोटद्वार, सोमवार
18 अगस्त 2025
वर्षः 47
अंकः 106 पृष्ठः 4
मूल्यः 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com

स्थापित 1979

संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल

डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

बारिश से टिमली गांव में नौ कच्चे मकान भर भराकर ढहे

विकासनगर। बारिश लोगों पर कहर बरपा रही है। रविवार को हुई मूसलाधार बारिश के कारण टिमली गांव में नौ कच्चे मकान भरभरा कर गिर गए। प्रभावित ग्रामीणों के सामने परिवार के साथ खुले आसमान के नीचे गुजर बसर करने नौबत आ गई है। इसी बरसात के दौरान इससे पहले भी टिमली में 15 कच्चे मकान ध्वस्त हो गए थे। रविवार सुबह से शुरू हुई बारिश टिमली गांव के साथ गरीब परिवारों पर आफत लेकर बरसी। बारिश से बचने के लिए अपने कच्चे घरों के अंदर रह रहे लोगों में तब हड़कंप मच गया जब उनके आशियाने भरभरा कर गिरने लगे। कच्चे घरों के अंदर अपने परिवार के साथ रह रहे लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई। गनीमत रही कि मकानों के ध्वस्त होने से कोई जनहानि नहीं हुई। लेकिन मकान के गिरने से प्रभावित परिवारों के जीवनयापन का सारा सामान बर्बाद हो गया। अब ग्रामीणों के सामने भारी बरसात में खुले आसमान के नीचे रहने के साथ ही पेट भरने का संकट भी पैदा हो गया है। प्रभावित ग्रामीणों ने प्रशासन से उचित आर्थिक सहायता मुहैया कराने की मांग की है। इससे पहले भी 15 परिवारों के कच्चे मकान ध्वस्त होने के कारण वो गांव के पंचायती घर में पूरे परिवार के साथ जीवन यापन करने को मजबूर हैं। उधर एसडीएम विनोद कुमार ने बताया कि राजस्व विभाग की टीम को मौके पर भेजा गया है। प्रभावित सभी परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शरण देने के साथ ही त्वरित सहायता राशि और जीवन यापन के लिए आवश्यक सामग्री मुहैया कराई जाएगी।

छुट्टियों के बाद रोडवेज बस अड्डे पर यात्रियों की भीड़

रुड़की। स्वतंत्रता दिवस, जन्माष्टमी और रविवार की छुट्टियों के बाद जब लोग और छात्र अपने-अपने कार्यस्थलों और शिक्षण संस्थानों की ओर लौटने लगे, तो बस अड्डे पर यात्रियों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रविवार को सुबह से ही हो रही तेज बारिश के बावजूद यात्री बड़ी संख्या में बस अड्डे पर पहुंचे। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को देखते हुए रोडवेज डिपो ने दिल्ली के लिए रोजाना चलने वाली 15 बसों के अलावा पांच अतिरिक्त बसें रवाना कीं। गाजियाबाद, देहरादून, हरिद्वार, सहारनपुर और ऋषिकेश जैसे रूटों पर भी यात्री संख्या सामान्य से कहीं अधिक रही। इस बार 15 अगस्त के स्वतंत्रता दिवस के बाद 16 अगस्त को श्रीकृष्णा जन्माष्ठमी के पर्व का अवकाश था। वहीं इसके बाद रविवार को भी अवकाश होने के चलते तीन दिन की लगातार छुट्टियां थीं। इसको लेकर कामकाजी लोग अपने घर वापस आ गए थे। रविवार को सभी नौकरीपेशा और कामकाजी लोगों के साथ पढ़ने वाले बच्चे अपने-अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए। इसको लेकर रविवार को सुबह भारी बारिश के बीच यात्रियों की रोडवेज बस अड्डे पर भारी भीड़ जमा हो गई। करीब 12 बजे यात्रियों भी रोडवेज पर भीड़ इतनी हो गई कि यात्रियों को बसों में खड़े होने के लिए भी जगह नहीं मिली।

त्यूणी में टौंस नदी उफान पर, खतरे की जद में नया बाजार

विकासनगर। टौंस नदी का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया। टौंस के उफान और बहाव से नया बाजार, गुटियाखाटल बस्ती पर खतरा मंडराने लगा है। तहसील प्रशासन और थाना पुलिस ने नया बाजार, गुतियाखाल के व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और आबादी क्षेत्र में अलर्ट जारी किया है। लोगों को किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सतर्क किया गया है। लगातार हो रही बारिश से पावर नदी और टौंस नदी के जल स्तर में लगातार वृद्धि हो रही है। जिससे जेपीआरआर राष्ट्रीय राजमार्ग पर टौंस नदी किनारे बसा नया बाजार गुतियाखाल को खतरा बढ़ गया है। नदी का बहाव व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की नींव का छू रहा है, जिससे इन भवनों को खतरा पैदा हो गया है। थाना पुलिस ने बाजार में मुनादी कर लोगों को अलर्ट रहने, नदी से सटे भवनों को खाली कर सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी दी है। इसके साथ ही आपदा प्रबंधन तंत्र, जल पुलिस, राजस्व पुलिस भी अलर्ट मोड पर हैं। टौंस की सहायक नदियों पावर, रूपीन, सुपिन का भी लगातार बढ़ रहा जल स्तर पर चिंता का कारण बना हुआ है। तीनों नदियों में बढ़े पानी का असर टौंस के जल स्तर पर पड़ेगा, जिससे खतरा अधिक हो सकता है।

40 मिनट में पूरा होगा 2 घंटे का सफर

एनसीआर वालों को पीएम मोदी की सौगात

नई दिल्ली ,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिल्ली में 11,000 करोड़ रुपए की राजमार्ग परियोजनाओं का तोहफा दिया है। रविवार को प्रधानमंत्री ने दिल्ली के रोहिणी से यूईआर-2 (अर्बन एक्सटेंशन रोड-2) के दिल्ली सेक्शन और द्वारका एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और कई अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। अब द्वारका एक्सप्रेसवे से सिंघु बॉर्डर से दिल्ली एयरपोर्ट का सफर 40 मिनट में पूरा होगा। पहले इस सफर में 2 घंटे का वक्त लगता था। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि दिल्ली को जाम और प्रदूषण मुक्त बनाने का लक्ष्य है। सरकार इसी दिशा में काम कर रही है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को बक्करवाला गांव टोल प्लाजा इलाके में रोड शो करते हुए कार्यक्रम स्थल तक पहुंचे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी ने कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्वागत किया। इसके बाद, पीएम नरेंद्र मोदी ने राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन किया। द्वारका एक्सप्रेसवे का दिल्ली खंड और शहरी विस्तार सड़क-2 (यूईआर-2) राजधानी को भीड़भाड़ से मुक्त करने की सरकार की व्यापक योजना के तहत विकसित की गई है। इसका उद्देश्य कनेक्टिविटी में व्यापक सुधार, यात्रा समय में कमी और दिल्ली के साथ इसके आसपास के क्षेत्रों में यातायात में कमी लाना है।

अब कठुआ में बादल फटने से तबाही, चार लोगों की मौत और छह घायल; मलबे में दबे दर्जनों घर

जम्मू ,जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में रात भर हुई भारी बारिश के बीच बादल फटने से एक सुदूर गांव का संपर्क टूट गया। कठुआ में बादल फटने से 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, 6 लोग घायल बताए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात जिले के राजबाग इलाके के जोड़ घाटी में बादल फटने से गांव तक पहुंचने का रास्ता पूरी तरह से तबाह हो गया। उन्होंने बताया कि पुलिस और एसडीआरएफ की एक संयुक्त टीम गांव पहुंच गई है और आगे की जानकारी का इंतजार है। अधिकारियों ने बताया कि कठुआ थाना क्षेत्र के बागड़ और चांगडा गांवों और लखनपुर थाना क्षेत्र के दिलवान-हुतली में भी भूस्खलन हुआ, लेकिन किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है।

मुख्यमंत्री धामी ने 220 चिकित्सा अधिकारियों को सौंपे नियुक्ति पत्र

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्य सेवक सदन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित उत्तराखंड चिकित्सा स्वास्थ्य सशक्तिकरण अभियान में प्रतिभाग करते हुए 220 नव नियुक्त चिकित्सा अधिकारियों को नियुक्ति पत्र वितरित किए।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने नवनियुक्त चिकित्सकों को शुभकामनाएं देते हुए इस क्षण को उनके जीवन का महत्वपूर्ण पड़ाव बताया। कहा कि आप मात्र चिकित्सक नहीं बल्कि देवभूमि के आरोग्य प्रहरी भी हैं। इसीलिए आप सभी को प्रदेश की चिकित्सा को सस्ती, जनसुलभ और नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए पूर्ण समर्पण और सेवाभाव से कार्य करना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के 11 लाख से अधिक पेशेंट्स को 21 करोड़ से अधिक की कैशलेस इलाज की सुविधा प्राप्त हो चुकी है। श्रीनगर में कार्डियो और न्यूरोलॉजी तथा हल्द्वानी में कैंसर से संबंधित विशेष चिकित्सा सुविधा प्रदान की जा रही है। कहा कि आपात स्थिति में सुदूरवर्ती क्षेत्रों से हेली के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं जीवनदायिनी का काम कर रही हैं। अभी हाल ही में धराली में आई आपदा के दौरान भी इसको देखा गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकतर निःशुल्क स्वास्थ्य जांच, स्वास्थ्य केंद्रों के आधुनिकीकरण, पैरामेडिकल स्टाफ की नियुक्ति और टेलीमेडिसिन सेवा के विस्तार से राज्य में चिकित्सा सेवाओं को नया आयाम मिला है। उन्होंने कहा कि हम प्रत्येक जनपद में एक-एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं। ताकि लोगों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं स्थानीय स्तर पर ही उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तराखंड प्रत्येक क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और विकसित भारत के संकल्प को साकार करने का एक तरह से उत्तराखंड नेतृत्व कर रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प उत्तराखंड के विकसित होने से और उत्तराखंड के विकसित होने का संकल्प यहां के समाज, नागरिकों और प्रत्येक क्षेत्र के विकसित होने से ही साकार होगा।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग नियुक्तियों के मामले में नित्य नए कृतिमान स्थापित कर रहा है। कहा कि 220 चिकित्सकों में 04 दिव्यांग कोटे के चिकित्सकों को छोड़कर शेष सभी चिकित्सक दुरस्त क्षेत्रों में तैनाती देंगे। कहा कि विभाग शीघ्र ही और चिकित्सकों, नर्सेज और सपोर्टिंग स्टाफ की भी भर्ती करने जा रहा है।

नालूपानी में भारी मलबा गिरने से गंगोत्री हाईवे ठप

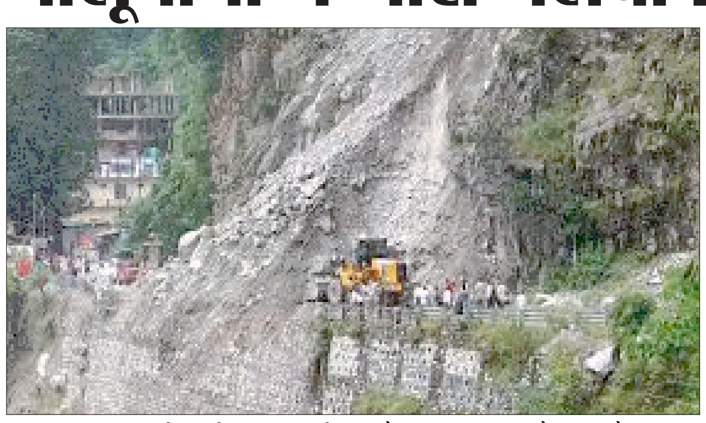

उत्तरकाशी। गंगोत्री नेशनल हाईवे बारिश के बीच जगह-जगह भूस्खलन के कारण यातायात के लिए बुरी तरह प्रभावित हुआ है। हाईवे जहां पिछले 13 दिनों से डबरानी से आगे यातायात के लिए ठप पड़ा हैं, वहीं नालूपानी के समीप रविवार सुबह भारी मात्रा में मलबा और पत्थर गिरने से हाईवे दिनभर आवाजाही के लिए ठप पड़ा है। देर शाम तक भी हाईवे आवाजाही के लिए नहीं खुल सका। जिसके चलते दिन भर मुसाफिर परेशान रहे। बारिश के कारण गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह-जगह भूस्खलन और भू धंसाव का दौर जारी है। रविवार सुबह करीब छह बजे गंगोत्री हाईवे नेताला, रतूड़ीसेरा, नालूपानी आदि स्थानों पर यातायात के लिए घंटों बाधित रहा। नेताला और रतूड़ीसेरा में गंगोत्री हाईवे हालांकि चार से पांच घंटे के भीतर आवाजाही के लिए खोल दिए गए थे, लेकिन नालूपानी के समीप दिनभर मार्ग यातायात के लिए नहीं खुल सका। नालूपानी में भारी मात्रा में पहाड़ी से मलबा और बोल्डर दरकने के कारण वाहनों की आवाजाही ठप पड़ी है। बीआरओ की मशीनरी मार्ग को आवाजाही के लिए खोलने में जुटी है, लेकिन पहाड़ी से लगातार गिर रहे मलबे के कारण मार्ग खोलने में भारी दिक्कतें आ रही है। मार्ग बंद रहने से दिनभर मुसाफिर मार्ग पर फंसे रहे। इधर, भटवाड़ी से आगे सालंग पुल की तरफ गंगोत्री राजमार्ग करीब 100 मीटर दायरे में भूधंसाव की चपेट में है। हाईवे पर बड़ी दरारें उभर आई हैं। जिससे आवागमन कठिन बना हुआ है। इसके अलावा गंगोत्री हाईवे डबरानी और सोनगाड़ के बीच जगह-जगह भूधंसाव के चलते पिछले 13 दिन से यातायात के लिए बाधित पड़ा है। इन स्थानों पर बीआरओ की मशीनें हाईवे बहाली में जुटी हैं, लेकिन मार्ग खुलने में अभी एक सप्ताह तक का वक्त लगने की संभावना है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी शार्दुल गुसांई ने बताया कि गंगोत्री हाईवे नालूपानी में मलबा आने से अभी बंद पड़ा है। जिले की करीब 30 से 32 सड़कें भी बारिश के कारण अवरूद्ध पड़ी हैं।

गंगोत्री और बदरीनाथ हाईवे पर दिनभर गिरता रहा मलबा

ऋषिकेश। भारी बारिश के चलते पहाड़ का सफर कठिन हो गया है। ऋषिकेश-गंगोत्री और बदरीनाथ मार्ग पर लगातार मलबा गिर रहा है। जिसे हटाने में एनएच प्रशासन के पसीने छूट रहे हैं। रविवार को दोनों मार्गों पर विभिन्न स्थानों पर जेसीबी मशीनें मलबा हटाने में जुटी रहीं। कौड़ियाला के पास हाईवे को पूरी तरह से खोल दिया गया लेकिन पहाड़ का सफर तय करने वालों की मुसीबतें कम नहीं हुई हैं। बारिश के चलते ऋषिकेश-गंगोत्री और ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे पर मलबा गिरने का सिलसिला दिनभर चला। कौड़ियाला, व्यासी और शिवपुरी के पास भी मलबा गिरता रहा। हालांकि जेसीबी मशीन दिनभर मलबा हटाती रही, लेकिन इससे यातायात व्यवस्था गड़बड़ा गई। मलबा हटाने के कार्य के चलते जाम लगता रहा। यहीं हाल गंगोत्री हाईवे का भी रहा। मार्ग पर प्लासडा और आगराखाल के समीप भूस्खलन होता रहा। भूस्खलन के चलते दोनों मार्गों पर यात्रियों की फजीहत हो रही है। जाम में जूझने के साथ सफर पूरा करने में दोगुना समय लग रहा है। श्रीनगर जा रहे जितेन्द्र सिंह बताते हैं कि संडे को भी ऋषिकेश से श्रीनगर पहुंचने में पांच घंटे का समय लग गया। बारिश के चलते कई स्थानों पर भूस्खलन हो रहा है। चंबा निवासी पुष्पेन्द्र सिंह बताते हैं कि वह कारोबारी हैं। उनको हर दूसरे दिन सामान खरीदने ऋषिकेश आना पड़ता है, लेकिन मार्ग बाधित होने से दिक्कत आ रही है। एनएच के सहायक अभियंता ललित मोहन बेंजवाल ने बताया कि बारिश के चलते कौड़ियाला समेत विभिन्न स्थानों पर भूस्खलन हो रहा है।

नर्मदा नदी में तैरती मिली दो लाशें, जांच में जुटी पुलिस

हरदा , मध्य प्रदेश के नर्मदा नदी में तैरती हुई दो लाश मिली। जिसके देख लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शवों को कब्जे में लेकर अस्पताल भिजवा दिया है। यह हत्या है आत्महत्या, फिलहाल इसका कारण अज्ञात है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तमाम पहलुओं पर जांच पड़ताल शुरू कर दी है।

हरदा जिले के हंडिया क्षेत्र से सनसनीखेज मामला सामने आया। जहां नर्मदा नदी में दो लाशें तैरती हुई दिखाई दी। जिन्हें देखकर लोगों में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घटना की जानकारी पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को नदी से बाहर निकाला।

मृतकों में एक की उम्र लगभग 55 वर्ष और दूसरे की उम्र 14-15 वर्ष बताई जा रही है। हालांकि अभी तक दोनों की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल हरदा़ भेज दिया है। पहचान होने के बाद शवों का पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

अमेरिका से लौटे एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला, दिल्ली एयरपोर्ट पर सीएम ने किया स्वागत

आज पीएम मोदी से करेंगे मुलाकात

लखनऊ/नई दिल्ली , लखनऊ के एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला रविवार सुबह अमेरिका से भारत लौट आए। वे दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे, जहां केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उनके पिता शंभु दयाल शुक्ला भी मौजूद रहे। शुभांशु आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर सकते हैं। इसके बाद वे बेंगलुरु जाएंगे और 23 अगस्त को इसरो के इंटरनेशनल स्पेस-डे सेलिब्रेशन में हिस्सा लेंगे। वहीं, 25 अगस्त को अपने घर लखनऊपहुंचने की संभावना है। उनकी मां ने खुशी जताते हुए कहा, *दुनिया के लिए वह भले ही सेलिब्रिटी हो, लेकिन मेरे लिए आज भी नन्हा बेटा है। उसके आने का बेसब्री से इंतजार है। शुभांशु ने 16 अगस्त को टेक्सास के जॉर्ज बुश

इंटरकॉन्टिनेंटल एयरपोर्ट से भारत के लिए उड़ान भरी थी। सोशल मीडिया पर उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा था झ यूं ही चला चल राहीज् जीवन गाड़ी है, समय पहिया। मुझे अपने देश पहुंचने की बेसब्री है। गौरतलब है कि एक्सियम मिशन-4 के तहत शुभांशु शुक्ला सहित चार एस्ट्रोनॉट्स 25 जून को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (ढ्वस्स्) के लिए रवाना हुए थे। 26 जून को वे भारतीय समयानुसार शाम 4:01 बजे ढ्वस्स् पहुंचे थे। वहां 18 दिन रहने के बाद 15 जुलाई को कैलिफोर्निया तट पर सुरक्षित लैंडिंग के साथ लौटे थे।

वोटर अधिकार यात्रा वोट नहीं संविधान बचाने की लड़ाई : राहुल गांधी

सासाराम ,लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार से बिहार में वोटर अधिकार यात्रा की शुरुआत की। इससे पहले एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह यात्रा वोट नहीं, संविधान बचाने की लड़ाई है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बिहार के लोग वोटों की चोरी नहीं होने देंगे। इस मौके पर राजद के अध्यक्ष लालू यादव सहित महागठबंधन में शामिल सभी घटक दलों के नेता शामिल हुए। राहुल गांधी ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह संविधान को बचाने की लड़ाई है। पूरे देश में भाजपा और आरएसएस संविधान को मिटाने पर तुले हैं। उन्होंने कहा कि जहां भी चुनाव होता है, ये लोग जीतते हैं। उन्होंने महाराष्ट्र के चुनाव की चर्चा करते हुए कहा कि चुनाव से पहले सभी ओपिनियन पोल कह रहे थे कि इंडी गठबंधन चुनाव जीतेगा। लोकसभा में महागठबंधन जीतता है, लेकिन चार महीने में हम हार जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब कार्रवाई हुई तब पता चला कि चुनाव आयोग ने एक करोड़ नए वोटर जादू से पैदा किए। उन्होंने कहा कि हमें उतना ही वोट मिला, लेकिन जितने नए वोटर बने, सभी भाजपा गठबंधन को मिले। उन्होंने इस दौरान कर्नाटक चुनाव की भी चर्चा की। राहुल गांधी ने कहा, मैंने वोट चोरी पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की तो चुनाव आयोग ने मुझसे एफिडेविट मांगा। चुनाव आयोग कहता है, आप एफिडेविट दें कि आपका डेटा सही है। ये डेटा चुनाव आयोग का है, मुझसे एफिडेविट क्यों मांगा जा रहा है? उन्होंने कहा कि बिहार की जनता वोटों की चोरी नहीं करने देगी क्योंकि गरीब कमजोर लोगों के पास सिर्फ वोट का हक है। आयोग जो कर रहा है, वो सबको पता है। चुनाव आयोग को हम यह नहीं करने देंगे। राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि एनडीए अरबपतियों के साथ सरकार चलाता है।

आप वोट डालते हैं, आपका वोट चोरी किया जाता है और आपका सारा पैसा 5-6 अरबपतियों को दे दिया जाता है। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने जातीय जनगणना की चर्चा करते हुए कहा कि दबाव में आकर उन्होंने जाति जनगणना करवाने की घोषणा कर दी,

झारखंड के साहिबगंज में अवैध खनन पर कार्रवाई, दर्जनों मशीनें जब्त, माफियाओं में हड़कंप

साहिबगंज , झारखंड के साहिबगंज जिला प्रशासन ने रविवार को अवैध खनन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। प्रशासन ने मंडरो अंचल के मिर्जाचौकी थाना क्षेत्र अंतर्गत भुतहा मौजा में छापेमारी की। इस दौरान अवैध खदान से खनन में प्रयुक्त दर्जनों मशीनों को जप्त किया गया। टास्क फोर्स की टीम की इस कार्रवाई के बाद खनन माफियाओं के बीच हड़कंप मच गया है। साहिबगंज सदर एसडीओ अमर जॉन आईंद ने इस अभियान का नेतृत्व किया। खनन टास्क फोर्स की टीम के साथ अचानक की गई इस छापेमारी में देखा गया कि स्टार इंडिया खदान के पास बड़े पैमाने पर अवैध खनन चल रहा था। जैसे ही प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची, वहां खनन में लगी कई गाड़ियां फरार हो गईं। हालांकि, मौके पर मौजूद दर्जनों वाहन और मशीनें जब्त कर ली गईं।

अटारी—वाघा बॉर्डर पर रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव

अब शाम 6 से 6.30 बजे तक होगा आयोजन

अमृतसर ,भारत-पाकिस्तान सीमा पर हर रोज आयोजित होने वाली अटारी-वाघा बॉर्डर रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने जानकारी दी है कि 15 अगस्त के बाद से इस सेरेमनी का नया समय शाम 6:00 बजे से 6:30 बजे तक रहेगा। पहले यह सेरेमनी शाम साढ़े छह बजे शुरू होकर सात बजे तक चलती थी। लेकिन, अब बीएसएफ ने मौसम में आई तब्दीली को देखते हुए समय में यह परिवर्तन किया है।

बीएसएफ अधिकारियों के मुताबिक, बदलते मौसम और जल्दी दिन ढलने के कारण यह फैसला लिया गया है। अब सेरेमनी में शामिल होने आने वाले पर्यटकों को भी अधिक सुविधा होगी।

रिट्रीट सेरेमनी देशभक्ति से ओत-प्रोत माहौल और आकर्षक सैन्य प्रदर्शन के कारण हमेशा से ही पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण रही है। भारत-पाकिस्तान सीमा पर होने वाला यह आयोजन हर दिन बड़ी संख्या में देश-विदेश से आने वाले सैलानियों को आकर्षित करता है। गौरतलब है कि अमृतसर के पास अटारी-वाघा बॉर्डर पर होने वाली यह रिट्रीट सेरेमनी दोनों देशों की सीमा पर 1959 से होने वाला एक अनूठा और उत्साहपूर्ण सैन्य समारोह है, जिसमें राष्ट्रीय झंडे उतारने की प्रक्रिया शामिल होती है। दोनों देशों के सैनिकों की जोशीली परेड के कारण यह सेरेमनी विश्वभर में मशहूर है। अटारी-वाघा जॉइंट चेक पोस्ट अमृतसर से लगभग 30 किमी और पाकिस्तान के लाहौर से 22 किमी दूर है, जहां करीब 25,000 दर्शक बीटिंग रिट्रीट समारोह को देखने आते हैं। बीटिंग द रिट्रीट को भारत के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तान रेंजर्स बखूबी निभाते हैं।

कठुआ आपदा : मृतकों के परिजनों को 2 लाख, घायलों और घरों के नुकसान पर भी मिलेगा मुआवजा

श्रीनगर ,कठुआ आपदा पर जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीड़ित परिवारों के लिए मुआवजे की घोषणा की है। मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। गंभीर रूप से घायलों को एक लाख रुपए और मामूली रूप से घायलों को 50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय ने इसकी जानकारी दी है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कठुआ में हाल ही में हुए बादल फटने से प्रभावित लोगों के जीवन और संपत्ति के प्रति गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने एसडीआरएफ सहायता के अलावा

मुख्यमंत्री राहत कोष से अनुग्रह राशि की घोषणा की है। प्रत्येक मृतक के लिए 2 लाख रुपए, गंभीर रूप से घायलों के लिए 1 लाख और मामूली रूप से घायलों के लिए 50 हजार रुपए दिए जाएंगे। आपदा में घरों को हुए नुकसान को लेकर भी मुख्यमंत्री ने मुआवजे की घोषणा की है। मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया, पूरी तरह क्षतिग्रस्त घरों के लिए 1 लाख रुपए, गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए 50 हजार रुपए और आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त घरों के लिए 25 हजार रुपये की सहायता दी गई। इस सहायता का उद्देश्य तत्काल राहत प्रदान करना और प्रभावित परिवारों को अपना जीवन फिर से शुरू करने में सहायता प्रदान करना है। इस बीच, केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह जम्मू-कश्मीर के कठुआ में बादल फटने से मची तबाही के बाद वहां के हालातों पर लगातार नजर रख रहे हैं। जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी है कि घायलों को उचित अस्पतालों में पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं की व्यवस्था की गई है। उन्होंने यह भी बताया कि जम्मू-कश्मीर के डीआईजी शिवकुमार शर्मा घटनास्थल पर मौजूद हैं, जिनके साथ वह लगातार संपर्क में हैं।

यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर ताबड़तोड़ फायरिंग, 20 से ज्यादा राउंड गोलियां चलीं

गुरुग्राम ,दिल्ली से सटे हरियाणा के गुरुग्राम से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां मशहूर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और यूट्यूबर एल्विश यादव के घर पर अज्ञात नकाबपोश बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग की है। घटना के बाद से इलाके में दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, यह वारदात रविवार तड़के करीब साढ़े 5 बजे की है। बाइक पर सवार होकर आए तीन नकाबपोश बदमाशों ने गुरुग्राम के सेक्टर 57 स्थित एल्विश यादव के घर को निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने 20 से ज्यादा राउंड फायरिंग की, जिससे पूरा इलाका गोलियों की आवाज से गूंज उठा। वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए।

जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर निहंगों का हुड़दंग

आरपीएफ जवानों से हाथापाई, पुलिस पोस्ट पर हमला; चौकी के शीशे तोड़े

जालंधर ,जालंधर सिटी रेलवे स्टेशन पर उस वक्त अफरा-तफरी और दहशत का माहौल बन गया, जब निहंग बाणे में आए कुछ युवकों ने रेलवे सुरक्षा बल के जवानों के साथ न सिर्फ हाथापाई की, बल्कि आरपीएफ चौकी पर हमला कर तोड़फोड़ भी की। हाथों में तलवारें और अन्य हथियार लहराते युवकों को देख यात्रियों में भगदड़ मच गई। यह पूरी घटना स्टेशन पर लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। जानकारी के अनुसार, घटना जम्मूतवी एक्सप्रेस (19225) के स्टेशन पर पहुंचने के बाद हुई। आरपीएफ इंचार्ज इंस्पेक्टर राजेश कुमार रोहिला अपनी टीम के साथ प्लेटफॉर्म पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्होंने देखा कि निहंग बाणे में एक युवक बार-बार ट्रेन के एसी कोच में चढ़-उतर रहा है। संदिग्ध लगने पर इंस्पेक्टर रोहिला ने युवक से पूछताछ की और टिकट दिखाने को कहा। आरोप है कि टिकट मांगने पर युवक भड़क गया और जवानों के साथ गाली-गलौज और बहसबाजी करने लगा। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और युवक ने हाथापाई शुरू कर दी। मौके पर मौजूद अन्य आरपीएफ जवानों ने बीच-बचाव कर दो युवकों को काबू किया और उन्हें आरपीएफ पोस्ट ले आए। इसके कुछ ही मिनटों बाद 8 से 10 पगड़ीधारी युवक हाथों में तलवारें और अन्य हथियार लेकर आरपीएफ पोस्ट की ओर दौड़ पड़े।

सम्पादकीय

मदरसों पर बड़ा फैसला

राज्य में संचालित को लेकर उत्तराखंड सरकार ने एक और बड़ा फैसला लिया है जिसके तहत अल्पसंख्यक होने के कारण विशेष सुविधा जो अब तक मद्रास को मिलती आ रही थी वह बंद हो जाएगी। सरकार के फैसले को उत्तराखंड में शिक्षा के क्षेत्र के लिए एक बड़ा कदम माना जा रहा है और नए नियमों के अनुरूप अल्पसंख्यक होने का लाभ दूसरे धर्म के शैक्षिक संस्थानों को भी दिया जाएगा। नए फैसले के तहत उत्तराखंड सरकार ने उत्तराखंड में संचालित मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम को समाप्त करने का बड़ा फैसला लिया है। उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2016 और उत्तराखंड गैर—सरकारी अरबी और फारसी मदरसा मान्यता नियम, 2019 को 1 जुलाई, 2026 से निरस्त कर दिया जाएगा। इसके स्थान पर उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान विधेयक, 2025 को विधानसभा से पास कर कानून बनाया जाएगा। इसका सबसे बड़ा असर यह होगा कि अब तक केवल मदरसों को मिल रहे अल्पसंख्यक संस्थान होने का लाभ सिख, जैन सहित अन्य धर्मों से जुड़े शिक्षण संस्थानों को भी मिलेगा। उत्तराखंड बनने के बाद कांग्रेस के शासनकाल में सबसे अधिक मदरसों की स्थापना हुई और उन्हें मान्यता दी गई। राज्य सरकार 19 अगस्त से गैरसैंण में आयोजित होने वाले विधानसभा सत्र के दौरान उत्तराखंड अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान विधेयक, 2025 लाने का प्रस्ताव लाने जा रही, हालांकि यह तय है कि इस मुद्दे को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच टकराव निश्चित है। नए विधेयक में व्यवस्था की गई है कि अल्पसंख्यक संस्थान होने का लाभ लेने के लिए सभी संस्थानों को एक बोर्ड से अनुमति लेनी होगी और उन्हें उसके पास रजिस्टर कराना होगा। विधेयक लागू होने पर मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थानों में गुरुमुखी और पाली भाषा का अध्ययन भी संभव होगा। नए अधिनियम के अनुसार एक प्राधिकरण (उत्तराखंड राज्य अल्पसंख्यक शिक्षा प्राधिकरण) का गठन किया जाएगा जो अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान का दर्जा प्रदान करेगा। मुस्लिम, ईसाई, सिख, बौद्ध, जैन या पारसी समुदाय द्वारा स्थापित किसी भी शैक्षिक संस्थान को अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थान का दर्जा पाने हेतु प्राधिकरण से मान्यता प्राप्त करना अनिवार्य होगा। यह न्याय संगत बात है कि अल्पसंख्यक होने का लाभ एक विशेष धर्म के शैक्षिक संस्थान को ही क्यों मिले जबकि अल्पसंख्यकों की श्रेणी में आने वाले दूसरे धर्म के द्वारा संचालित किए जाने वाले शैक्षिक संस्थानों को भी रियायतें एवं सुविधाएं मिलनी चाहिए। नए विधेयक के अनुसार सभी अल्पसंख्यक शैक्षिक संस्थानों को एक ही नियम के अनुरूप अनुदान एवं सुविधाएं प्रदान की जाएंगे। विधानसभा सत्र के दौरान कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर शांत बैठने वाली नहीं है लेकिन यह तय है कि संख्या बल के आधार पर कांग्रेस के पास विधानसभा में सिवाय विरोध करने के और कुछ हाथ लगने वाला नहीं है और यह महत्वपूर्ण विधेयक इसी सत्र में पास होने की पूर्ण संभावनाएं नजर आ रही है।

एकपक्षीय सीमा शुल्क बढ़ाना अन्यायपूर्ण और अनुचित

ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत टैरिफ या आयात शुल्क लगाया जो 7 अगस्त से प्रभावी है और पुन: एक कार्यकारी आदेश पर उन्होंने हस्ताक्षर किए जिससे रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है जो 27 अगस्त से लागू होगा। इस तरह 50 प्रतिशत का यह सीमा शुल्क अमेरिका द्वारा दुनिया में किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक सीमा शुल्कों में से एक है। भारत की प्रतिक्रिया बिल्कुल स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि हम अपने किसानों और डेयरी क्षेत्र में लगे लोगों की हर कीमत पर रक्षा करेंगे और इसमें हमको निजी क्षति भी उठानी पड़ेगी। किसी व्यापारिक साझेदार देश के विरु द्ध बगैर किसी अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन के एकपक्षीय सीमा शुल्क बढ़ाना यानी जुर्माना लगाना अंतरराष्ट्रीय मानकों के विपरीत है। यह अन्यायपूर्ण और अनुचित दोनों है। हम यह भी मानते हैं कि अमेरिका के साथ सीमा शुल्क बढ़ने से भारत नष्ट नहीं हो जाएगा और दुनिया में उसके लिए निर्यात के रास्ते बंद नहीं होंगे।

अवधेश कुमार

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि जब तक हम टैक्स या शुल्क का मामला सुलझा नहीं लेते तब तक भारत के साथ व्यापार वार्ता नहीं होगी।

दोबारा राष्ट्रपति पद संभालने के बाद ट्रंप के व्यवहार में जितनी अस्थिरता और उतार चढ़ाव है उसमें आगे वे क्या करेंगे कहना कठिन है । तत्काल यह ऐसी स्थिति है जिसमें भारत को सामूहिक राष्ट्रीय भावनाओं को अभिव्यक्त करना है तो दूसरी ओर अपनी क्षमता को समझ साहस के साथ व्यावहारिक दृष्टि से सामना करते हुए रास्ता भी निकालना है।

ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत टैरिफ या आयात शुल्क लगाया जो 7 अगस्त से प्रभावी है और पुनः एक कार्यकारी आदेश पर उन्होंने हस्ताक्षर किए जिससे रूसी तेल खरीदने के लिए भारत पर 25 प्रतिशत का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया है जो 27 अगस्त से लागू होगा। इस तरह 50 प्रतिशत का यह सीमा शुल्क अमेरिका द्वारा दुनिया में किसी भी देश पर लगाए गए सबसे अधिक सीमा शुल्कों में से एक है। भारत की प्रतिक्रिया बिल्कुल स्वाभाविक है। प्रधानमंत्री ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि हम अपने किसानों और डेयरी क्षेत्र में लगे लोगों की हर कीमत पर रक्षा करेंगे और इसमें हमको निजी क्षति भी उठानी पड़ेगी। किसी व्यापारिक साझेदार देश के विरु द्ध बगैर किसी अंतरराष्ट्रीय नियमों के उल्लंघन के एकपक्षीय सीमा शुल्क बढ़ाना यानी जुर्माना लगाना अंतरराष्ट्रीय मानकों के विपरीत है।

यह अन्यायपूर्ण और अनुचित दोनों है। हम यह भी मानते हैं कि अमेरिका के साथ सीमा शुल्क बढ़ने से भारत नष्ट नहीं हो जाएगा और दुनिया में उसके लिए निर्यात के रास्ते बंद नहीं होंगे। अमेरिका के उत्पादकों के लिए भी इतना बड़ा बाजार छोड़ना आसान नहीं होगा कि पूरी तरह व्यापारिक रिश्ते ही समाप्त हो जाए। किंतु यह तर्क भी व्यावहारिक दृष्टि से गले नहीं उतरता कि 1971 में अमेरिका ने सातवां बेड़ा भेज दिया हमने फिर भी बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम में सफलता प्राप्त की या अमेरिका ने अकाल के समय मदद नहीं दिया या भारत के परमाणु विस्फोट के बाद प्रतिबंध लगा दिया, क्रायोजेनिक इंजन नहीं दिया फिर भी हम एक राष्ट्र के नाते आज दुनिया के शीर्ष देश की श्रेणी में खड़ा होने की स्थिति में हैं।

वास्तव में ये बातें तब की हैं जब भारत के लिए निर्यातक देश होने की कल्पना कठिन थी। पिछले वित्त वर्ष में भारत का कुल निर्यात 821 अरब डालर था। इनमें 437.42 अरब डॉलर का वस्तु निर्यात और 383.51 अरब डॉलर का सेवा निर्यात शामिल है। इसमें सबसे ज्यादा अमेरिका को 88 अरब डॉलर निर्यात किया गया था। भारत के कुल निर्यात में अकेले अमेरिका की हिस्सेदारी 23त्न है। भारत के लिए इतने व्यापार अधिशेष यानी व्यापारिक लाभ वाला अमेरिका ऐसा अकेला देश है। अमेरिका के बढ़े सीमा शुल्क का असर भारत के अमेरिका को होने वाले 50—55 त्न निर्यात पर पड़ेगा। इससे वस्तु निर्यात में गिरावट की संभावना है। भारतीय माल जब अमेरिका में 30—35 प्रतिशत महंगा होगा तो समस्या आएगी। इसकी तत्काल भरपाई संभव नहीं। इसका असर विकास पर कितना होगा इसे लेकर अलग—अलग आकलन है।

एक व्यवहारिक आकलन यही है कि विकास दर में .4 प्रतिशत की कमी आ सकती है। यही नहीं कपड़ा और परिधान क्षेत्र में 17 लाख, अपैरल में 13 लाख, रसायन और रसायन उत्पादन क्षेत्र में 10 लाख , चमड़ा क्षेत्र में चार लाख तथा रत्न

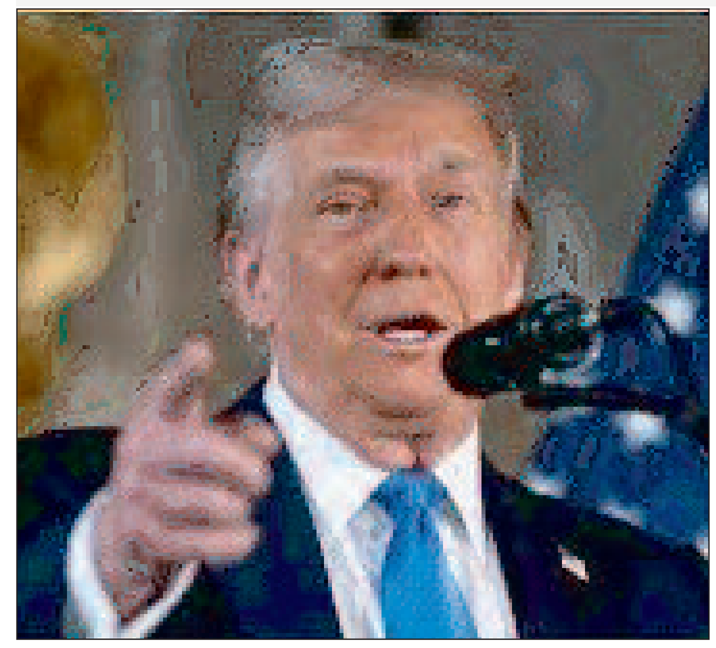

एवं आभूषण में तीन लाख लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलता है। इसके अलावा इनमें परोक्ष रोजगार प्राप्त करने वालों की संख्या भी बहुत बड़ी है। तो एक बड़े भाग के रोजगार पर असर पड़ सकता है। अमेरिका की रिटेल कंपनियां अमेजॉन, वॉलमार्ट , टारगेट और गैप ने भारतीय निर्यातकों को अगले आदेश तक शिपमेंट रोकने को कहा है। व्यावहारिक स्तर पर इसका अनेक क्षेत्रों में नुकसान होगा जिसमें सर्वप्रमुख है कपड़ा और परिधान। अमेरिका भारत के कपड़ा और परिधान का सबसे बड़ा ग्राहक है। भारत द्विपक्षीय व्यापार वार्ता द्वारा इसे सुलझाने की कोशिश कर रहा था। अमेरिकी मांगों को स्वीकार करना या उनके दबाव के आधार पर निर्णय करना भारत के लिए न संभव था और न व्यावहारिक ही होता। कृषि और डेयरी उत्पादों में अमेरिका अपने किसानों को जबरदस्त सब्सिडी देता है जिस कारण उनके उत्पाद सस्ते होते हैं। दूसरे, अमेरिका अपने गायों को चारा में मांसाहार भी कराता है जबकि भारत में दूध और उसके सारे उत्पादन निरामिष और वैष्णव भजन की श्रेणी में आते हैं।

यह ऐसा संस्कृतिक अंतर है जिसे किसी सूरत में पाटा ही नहीं जा सकता। भारत में जीएम फूड और बीज का उपयोग नहीं किया जा सकता जबकि अमेरिका इसके लिए दबाव डाल रहा है। कृषि क्षेत्र के बाजार को अमेरिकी कल्पना के अनुरूप खोला ही नहीं जा सकता। रूस से तेल खरीदने का विषय भी जटिल है। व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि भारत अमेरिकी डॉलर का इस्तेमाल रूसी तेल खरीदने में कर रहा है और यही पैसा रूस अपने हथियारों के लिए इस्तेमाल करता है। अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर दे तो उसे 1.2 अरब डॉलर का अतिरिक्त आयात बिल चुकाना पड़ेगा।

2022 से रूसी तेल की खरीद में काफी वृद्धि हुई। आज भारत के तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 35.01त्न है। हालांकि भारत ने धीरे—धीरे रूसी तेल आयात में कमी लाई है क्योंकि 2022 में अमेरिका और यूरोप द्वारा रूसी तेल मूल्य पर कैप लगाने से भारत को काफी मुनाफा हुआ। अमेरिका के अंदर ट्रंप की इस नीति के विरु द्ध कई स्तरों पर आवाज उठ रहे हैं। संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के सदस्य ग्रेगडी मिक्स ने कहा कि ट्रंप के टैरिफ युद्ध ने अमेरिका भारत साझेदारी को मजबूत बनाने के वर्षो में किए गए काम को जोखिम में डाल दिया है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बौल्टन ने लिखा है कि चीन के मुकाबले भारत पर कठोर व्यापार शुल्क लगाना ट्रंप की बड़ी भूल है। मित्र और दुश्मन दोनों पर समान रूप से शुल्क लगाकर अमेरिका ने दशकों में बनी भरोसे की पूंजी कमाई है। सीमा शुल्क बढ़ने से उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद महंगे होंगे और अनेक क्षेत्रों में नौकरियां जानें आदि की समस्याएं पैदा हो रही है। भारत दबाव में आने वाला देश नहीं है और इससे हमें कोई लाभ भी नहीं होने वाला।

स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी समोसा और जलेबी

मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिंताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं। भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला—भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है।

भारत जैसे विविधताओं वाले देश में जहां हर नुक्कड़ पर समोसे की महक और जलेबी की मिठास लोगों को आकर्षित करती है, वहीं यह स्वादिष्ट व्यंजन अब स्वास्थ्य के लिए खतरे की घंटी बनते जा रहे हैं। हमारी परंपराओं और खानपान में गहराई से जुड़े समोसा, कचोरी और जलेबी जैसे तली—भुनी और अत्यधिक मीठी चीजें अब मोटापा, मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों का प्रमुख कारण बन गई है। इन्हीं कारणों से देशभर में एक जागरूकता अभियान शुरू करने की आवश्यकता को महसूस करते हुए जनजागृति अभियान शुरू हुआ है। तले हुए व्यंजनों के उपभोग को कम करने की दिशा में किया जा रहा यह प्रयास सराहनीय एवं बढ़ती स्वास्थ्य चिंताओं को देखते हुए क्रांति का शंखनाद है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'फिट इंडिया अभियानइ के तहत तेल और चीनी का उपभोग कम करने का आह्वान किया था। केंद्र सरकार की सक्रियता से जैसे सिगरेट के पैकेट पर स्वास्थ्य चेतावनी होती है, ठीक वैसी ही चेतावनी इन तैलीय और मीठे खाद्य पदाथारे के बारे में जारी होगी। बड़े पैमाने पर इस बात का प्रचार रेडियो एवं अन्य टीवी चैनलों के माध्यमों से किया जा रहा है कि तैलीय या जरूरत से ज्यादा मीठे खाद्य पदाथरे के उपभोग से दूर रहा जाए। मोटापे एवं अन्य असाध्य बीमारियों की गंभीर स्थिति से जुड़े चौंकाने वाले तथ्य चिंताजनक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ चीनी और ट्रांस वसा को मोटापा, मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग के मुख्य कारणों में गिनते हैं।

भारत में हर 5 में से 1 व्यक्ति मोटापे का शिकार है, और इसके पीछे मुख्य कारण अत्यधिक तला—भुना भोजन है। दुनिया में मोटापे के मामले में भारत दूसरे नंबर पर है। डब्लूएचओ के अनुसार, भारत में डायबिटीज के मरीजों की संख्या 2045 तक 13.4 करोड़ तक पहुंच सकती है, जो दुनिया में सबसे अधिक होगी। बच्चों में बढ़ती मोटापे की दर का एक बड़ा कारण स्कूलों के आसपास मिलने वाले समोसा, कचौरी, बर्गर जैसी चीजें हैं। समोसा और कचोरी जैसी चीजों को बार—बार एक ही तेल में तला जाता है, जिससे उसमें ट्रांस फैट और कैंसरकारी तत्व (ऐकिलामाइड) पनपने लगते हैं। ये हृदय की धमनियों को सख्त कर देते हैं और कोलेस्ट्रॉल बढ़ाते हैं। जलेबी को चीनी के गाढ़े सिरप—चासनी में डुबोया जाता है, जिससे शरीर में तुरंत ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह स्थिति इंसुलिन रेजिस्टेंस, टाइप—2 डायबिटीज और फैटी लिवर जैसी बीमारियों को न्योता देती है। समोसा और कचोरी में मैदा का अत्यधिक उपयोग होता है, जो पाचन को धीमा करता है। इससे गैस, कब्ज, अम्लपित्त और मोटापा जैसे विकार उत्पन्न होते हैं। भारत में रसोई का अभिन्न हिस्सा है तेल, परंतु आज जिस प्रकार से हर व्यंजन में अत्यधिक तेल का प्रयोग बढ़ता जा रहा है, इससे मोटापा भारत की बड़ी स्वास्थ्य समस्या बन गई है, उसने अन्य अनेक बीमारियों को प्रोत्साहन देते हुए स्वास्थ्य संकट को जन्म दे दिया है। तले—भुने खाद्य पदार्थ जैसे समोसा, कचोरी, पकौड़ी, पूड़ी, जलेबी, फास्ट फूड, आदि मोटापा, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, मधुमेह जैसी बीमारियों का कारण बनते जा रहे हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य संस्थानों को कैफेटेरिया और सार्वजनिक स्थानों पर साफ तौर पर 'तेल और चीनी के चेतावनी बोर्डइ लगाने का निर्देश दिया गया है। ये सूचनात्मक पोस्टर खासे लोकप्रिय खाद्य पदाथरे में वसा और चीनी की मात्रा को उजागर करेंगे। तले हुए और चीनी से भरपूर खाद्य पदाथरे को हतोत्साहित करने का समय आ गया है। इसकी शुरुआत अस्पतालों में चल रहे लापरवाह रेस्तरां से होनी चाहिए। तमाम रेस्तरां और मिष्ठान भंडारों पर इस चेतावनी को लटकाना आवश्यक है। ऐसा नहीं है कि लोग समोसा या जलेबी खाना छोड़ देंगे, पर उनमें सजगता आएगी। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. बिमल छाजेड़ पिछले तीन दशकों से 'जीरो ऑयलइ की खानपान पद्धति के माध्यम से हृदय रोगियों का प्रभावी इलाज कर उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

प्रधानमंत्री ने स्वस्थ जीवनशैली के सूत्र प्रस्तुत करते हुए जनता से आह्वान किया है कि तेल का सीमित उपयोग करते हुए पकवानों को तलने के बजाय भूनें, उबालें या भाप में पकाएं। शारीरिक गतिविधि बढ़ाने के लिये रोजाना योग, प्राणायाम, टहलना या व्यायाम करें। खानपान में नियंत्रण सबसे बड़ा उपचार है। अतः बचाव के उपाय जरूरी हैं। पिछले दिनों, हर व्यक्ति से अपने भोजन में तेल की खपत को दस प्रतिशत तक कम करने की अपील की गई है।

कुछ लोग अवश्य सुधार की ओर बढ़े होंगे और अब जब समोसे, जलेबी जैसे खाद्य पदाथरे पर चेतावनी रहेगी, तो खानपान में सुधार की गति को और बल मिलेगा। आज जरूरत है कि हम सिर्फ स्वाद के गुलाम न बनें, बल्कि अपने शरीर की सुनें। एक जिम्मेदार समाज वही है जो अगली पीढ़ी को स्वाद के नाम पर बीमारियां नहीं, स्वस्थ आदतें सौंपे। एक ऐसी पीढ़ी तैयार हो रही है, जो स्वाद के पीछे स्वास्थ्य को त्याग रही है। यह चेतावनी नहीं, चेतना का संदेश है कि यदि अब भी नहीं सुधरे, तो आने वाली पीढ़ियां बीमारियों से जूझती रहेंगी। गुणवत्ता सुनिश्चित करने वाले महकमों और अधिकारियों को युद्ध स्तर पर सक्रिय होना पड़ेगा, तभी हम फिट इंडिया के ख्वाब को साकार कर पाएंगे।

साउथ की फिल्मों के सेट पर अनुशासन देखने को मिलता है : पायल घोष

अभिनेत्री पायल घोष ने साउथ इंडस्ट्री और बॉलीवुड की तुलना करते हुए अपनी बातें रखी। उन्होंने बताया कि बॉलीवुड की तुलना में साउथ इंडस्ट्री में प्रोफेशनल तरीके के साथ काम किया जाता है।अभिनेत्री ने कहा, मैंने साउथ और बॉलीवुड दोनों इंडस्ट्री में काम किया है और दोनों में मेरा काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा, जिसके लिए मैं बहुत आभारी हूं।अभिनेत्री ने बताया कि उन्हें साउथ इंडस्ट्री बॉलीवुड के मुकाबले थोड़ा ज्यादा प्रोफेशनल लगता है। साउथ इंडस्ट्री में लोगों को पता रहता है कि उन्हें क्या करना है और कमाल की बात यह है, जब वहां की फिल्में शूट होती है, तो उस दौरान सभी का व्यवहार एक दूसरे को लेकर समान देखने को मिलता है, चाहे वह मुख्य कलाकार हो या फिर कोई क्रू। इसी के साथ ही अगर शूट का समय सुबह 7 बजे है, तो मुख्य किरदार समेत सभी लोग समय से सेट पर पहुंच जाते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण की फिल्मों के सेट पर अनुशासन होता है, लेकिन बॉलीवुड में अपने हिसाब से काम करने में विश्वास रखा जाता है। कई बार मैंने खुद देखा है कि बॉलीवुड में कहते कुछ हैं, और अंत में जो होता है वह बिल्कुल अलग होता है। जैसे कि अगर उन्होंने कहा है कि सुबह 7 बजे के बाद शूटिंग शुरू करेंगे, तो 11 बजे से पहले काम शुरू नहीं होता है।

मिनी स्कर्ट और टॉप में छाया अवनीत कौर का ग्लैमरस लुक

पॉपुलर एक्ट्रेस अवनीत कौर अक्सर ही सोशल मीडिया पर अपने हुस्न का जलवा बिखेरती रहती हैं. हाल ही में उन्होंने पिंक मिनी स्कर्ट और क्रॉप टॉप में कुछ तस्वीरें शेयर की जिसे देख फैंस एक बार फिर उनके दीवाने हो गए हैं. यहां देखिए अवनीत कौर के वायरल फोटोज. पॉपुलर एक्ट्रेस और कंटेंट क्रिएटर अवनीत कौर ने एक बार फिर अपनी तस्वीरों से सोशल मीडिया पर खलबली मचा दी है. दरअसल हाल ही में अवनीत ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर पिंक मिनी स्कर्ट और क्रॉप टॉप में अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की जिसे देख फैंस अपना दिल हार बैठे हैं. इन वायरल तस्वीरों में एक्ट्रेस बला की खूबसूरत लग रही हैं. अलगझअलग पोज में तस्वीरें शेयर कर अवनीत ने यूजर्स की दिल की धड़कन तेज कर दी है. अवनीत कौर ने अपने पिंक मिनी स्कर्ट के साथ व्हाइट क्रॉप टॉप पेयर किया है.

एपी संग काम करने का अनुभव काफी शानदार रहा: तारा सुतारिया

एपी ढिल्लन ने गायिका श्रेया घोषाल और अभिनेत्री तारा सुतारिया के साथ मिलकर गाना थोड़ी सी दारू तैयार किया है। तारा ने बताया है, कि को—एक्टर के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास रहा है। तारा ने बताया, जब मैंने पहली बार यह गाना सुना था, तो मैं इसकी दीवानी हो गई थी। यह एक मजेदार गाना है और एपी के रिकॉर्ड में मैंने जो पहले सुना था, उससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने आगे कहा, एपी के साथ शूट काफी मजेदार था, शूट का माहौल काफी हल्का और खुशनुमा था। हमने शूटिंग के दौरान खूब मस्ती की, जिस वजह से शूटिंग काफी अच्छी तरह से हो गई। अभिनेत्री ने गायिका श्रेया घोषाल की भी तारीफ करते हुए कहा, इस साल फिर से श्रेया मैम की आवाज पर एक्ट करना मेरे लिए बहुत खुशी और सम्मान

की बात है। उनकी आवाज ने इस गाने को और भी निखार दिया है। मुझे उम्मीद है कि फैंस इसे उतना ही पसंद करेंगे, जितनी हमने इसे बनाने में मेहनत की है। गाने के बारे में एपी ढिल्लन ने कहा, मैं हमेशा से नए तरह के संगीत और वाइब्स के साथ काम करना पसंद करता हूं और इस गाने में श्रेया घोषाल के साथ काम करना मेरे लिए सम्मान की बात थी।

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तान ने अलापा पुराना राग, चयनकर्ता आकिब बोले—हम भारत को रौंद देंगे

नई दिल्ली। पाकिस्तान के चयनकर्ता आकिब जावेद ने एशिया कप में भारत के खिलाफ मुकाबले से पहले दावा किया है कि उनकी टीम आगामी मैच में भारतीय टीम को रौंद देगी। बता दें कि, एशिया कप का आगाज नौ सितंबर से होगा। 14 सितंबर को दोनों टीमों के बीच महामुकाबला खेला जाएगा, जिसके लिए पाकिस्तान की टीम का एलान हो गया। वहीं, भारतीय टीम की घोषणा 19 अगस्त को हो सकती है।

'भारत को हरा सकती है पाकिस्तान की टीम'

भारत के खिलाफ मैच से पहले पाकिस्तान टीम के चयनकर्ता आकिब जावेद ने कहा, 'पाकिस्तान की टी20 टीम भारत को हरा सकती है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच हमेशा बहुत अहम होते हैं। यह 17 सदस्यीय टीम किसी भी टीम को हरा सकती है। हमें उन पर दबाव नहीं डालना चाहिए, लेकिन मुझे इस टीम से बहुत उम्मीदें हैं।'

भारत का पाकिस्तान पर दबदबा

भारत का टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में पाकिस्तान के खिलाफ दबदबे वाला रिकॉर्ड

रहा है। दोनों टीमों के बीच खेले गए 13 मैचों में से भारत ने 10 में जीत हासिल की है। टी20 विश्व कप 2024 के दौरान दोनों टीमों के बीच हुए आखिरी मुकाबले में पाकिस्तान 120 रनों के लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहा था और छह रनों से हार गया था। वहीं, भारत एशिया कप का गत विजेता है जिसने 2023 में कम स्कोर वाले फाइनल मुकाबले में श्रीलंका को हराकर पिछला संस्करण जीता था।

बाबर—रिजवान को नहीं मिला मौका

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने रविवार को त्रिकोणीय सीरीज और एशिया कप के लिए 17 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। टीम की कमान सलमान आगा को सौंपी गई है, जबकि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम में जगह नहीं मिली है। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में बाबर का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और उन्होंने तीन मैचों में 56 रन बनाए थे जिसमें उनका सवोच्च स्कोर 47 रन रहा था। वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान चोटिल हुए फखर जमां को टीम में जगह मिली है। वहीं, वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले सईम अयूब और ऑलराउंडर हसन नवाज भी टीम में जगह बनाने में सफल हुए हैं। हालांकि, तेज गेंदबाज नसीम शाह जिन्होंने वेस्टइंडीज दौरे पर सर्वाधिक विकेट लिए उन्हें टीम में शामिल नहीं किया गया है।

बाबर—रिजवान को दरकिनार करने पर क्या बोले जावेद?

बाबर और रिजवान को टीम में शामिल नहीं करने पर आकिब जावेद ने कहा, उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि हम उन्हें पूरी तरह से दरकिनार कर रहे हैं। मौजूदा चयन यह दर्शाते हैं कि एक खिलाड़ी कैसे विकसित होता है। मैंने साहिबजीदा फरहान, सैम और फखर का उदाहरण दिया है। साहिबजीदा ने वापसी की, सैम ने शुरुआत में संघर्ष किया, लेकिन बाद में उन्होंने प्रभाव छोड़ा। आप किसी भी खिलाड़ी के करियर पर मुहर नहीं लगा सकते। अवसर हमेशा मौजूद रहते हैं। अभी वे बिग बैश और पीएसएल जैसी लीगों में अनुभव प्राप्त कर रहे हैं। जो अच्छा प्रदर्शन करेगा, वही खेलेगा और केवल वही खेलने का हकदार है जो अच्छा प्रदर्शन करता है।'

पाकिस्तान की 17 सदस्यीय टीम इस प्रकार है...

सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रउफ़, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलात, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, साहिबजादा फरहान, सईम अयूब, सलमान मिर्जा, शाहीन शाह अफरीदी और सुफियान मोकिम।

'रोहित 45 की उम्र तक खेल सकते हैं', योगराज ने वनडे कप्तान के पांच साल और खेलने का समर्थन किया

भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह का मानना है कि रोहित शर्मा उस स्तर के खिलाड़ी हैं जो 45 साल की उम्र तक भी खेल सकते हैं। रोहित ने टी20 अंतरराष्ट्रीय और टेस्ट प्रारूप को अलविदा कह दिया है, लेकिन वह अभी वनडे में खेलते हैं। इस पर चर्चा जोरों पर है कि क्या रोहित 2027 वनडे विश्व कप तक खेलना जारी रखेंगे?

रोहित आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में खेलते आए थे नजर

रोहित ने भारत के लिए आखिरी बार चैंपियंस ट्रॉफी में हिस्सा लिया था और उनकी कप्तानी में टीम ने खिताब अपने नाम किया था। रोहित ने न्यूजीलैंड के खिलाफ फाइनल में 76 रन बनाए थे। रोहित को उनकी पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। रोहित के खेलने या नहीं खेलने पर क्रिकेट विशेषज्ञों की अलग राय है क्योंकि उनकी फिटनेस बड़ा मुद्दा रही है। रोहित के भविष्य पर अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी, लेकिन योगराज ने रोहित के अगले पांच साल और खेलने का समर्थन किया है। मालूम हो कि रोहित वनडे के अलावा आईपीएल में खेलते हैं। योगराज ने एक मीडिया संस्थान से बात करते हुए कहा, रोहित शर्मा ऐसे खिलाड़ी हैं जिसके बारे में कई लोग बकवास करते हैं। वह जिस तरह बल्लेबाजी करते हैं, उसे देखिए। एक तरह उनकी बल्लेबाजी और दूसरी तरफ शेष टीम की बल्लेबाजी। एक तरफ उनकी पारी और दूसरी तरफ दुनिया में किसी अन्य बल्लेबाज की पारी। यह रोहित का क्लास है। आपको कहना चाहिए कि रोहिच आपकी हमें पांच साल और जरूरत है यार, इसलिए आप देश के लिए और भी योगदान दें। अपनी फिटनेस और सबकुछ पर मेहनत करें।

संक्षिप्त समाचार

प्रथम मुकाबले में चार विद्यालयों ने जीती प्रतियोगिता

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार फुटबाल संघ की तरफ से सुनील बिष्ट की स्मृति में हाईस्कूल हीरोज फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रथम चरण के मुकाबलों में स्कालर्स अकादमी, बाल भारती, आरसीडी, एमकेवीएन व कॉवेंट स्कूल ने विजय प्राप्त की मोटाढांक स्थित मिनी स्टेडियम में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता में क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों के 16 टीमें प्रतिभाग कर रही है। शनिवार को पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला एवीएन व कॉवेंट स्कूल के मध्य खेला गया। अभिनव सिंह के निर्णायक गोल से कॉवेंट स्कूल ने जीत हासिल की। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला एमकेवीएन व आरपी पब्लिक स्कूल तेलीपाड़ा को 1-0 से परास्त किया। तीसरे क्वार्टर फाइनल मुकाबले में बाल भारती ने स्कालर्स अकादमी को 2-1 से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अंतिम क्वार्टर फाइनल में आरसीडी ने जीआईसी कुंभीचौड़ को 1-0 से परास्त किया। कोटद्वार फुटबाल संघ के कार्यवाहक सचिव व फुटबाल कोच महेंद्र ने कहा कि रविवार को पहला सेमीफाइनल सुबह दस बजे से बालभारती व एवीएन के मध्य खेला जाएगा। दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला एमकेवीएन व आरसीडी के मध्य होगा।

21 अगस्त से पटवारी नहीं करेंगे पुलिस का कार्य

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः पर्वतीय राजस्व निरीक्षक, उपनिरीक्षक, राजस्व सेवक संघ पौड़ी ने 21 अगस्त से पुलिस कार्यों का पूर्णत परित्याग करने का निर्णय लिया है। संघ ने इस बाबत डीएम को ज्ञापन भी दिया है। डीएम को दिए गए ज्ञापन में संघ के जिलाध्यक्ष अतुल बलोदी, सचिव शिव सिंह रावत ने कहा है कि कोर्ट के आदेश के तहत बीते मई महीने तक राजस्व पुलिस क्षेत्रों को नियमित पुलिस को हस्तांतरित किया जाना था, लेकिन शासन द्वारा अभी तक इस ओर कोई कदम नहीं उठाए गए हैं। जिसके चलते संघ ने प्रांतीय कार्यकारिणी के आह्वान पर राजस्व पुलिस कार्यों का परित्याग करने का निर्णय लिया है। कहा कि जल्द ही उचित कदम नहीं उठाए जाने पर 21 अगस्त से संघ राजस्व पुलिस कार्यों का सदैव के लिए परित्याग किया जाएगा।

एक से 14 सितंबर तक होगी रामलीला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः बदरीनाथ केदार समिति बेलाडाट की ओर से एक सितंबर से रामलीला का आयोजन किया जाएगा।बेलाडाट स्थित एक होटल में लोकेश थपलियाल की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। निर्णय लिया गया कि एक से 14 सितंबर तक रामलीला का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान सर्वसम्मति से जिसमें आकाश चौधी को उपाध्यक्ष व सुभाष कुकरेती को उप कोषाध्यक्ष चुना गया। इस मौके पर सचिव राकेश शाह, उप सचिव नवीन सुंदरियाल, कोषाध्यक्ष सुशील चौधरी, मीडिया प्रभारी सुदीप बौंठियाल, संदीप रावत, जयकृत नेगी, प्रकाश द्विवेदी, बलवीर नेगी, विनोद आदि मौजूद रहे।

गैरसैंण में धूमधाम से मनाया पाती मेला

चमोली, श्री कृष्ण जन्मोत्सव के बाद गैरसैंण विकासखंड के विभिन्न स्थानों पर रविवार को पाती मेले का आयोजन किया गया। इस दौरान मौसम सुहावना होने के कारण बड़ी संख्या में भक्तों ने पाती मेले में शिरकत कर क्षेत्र की सुख एवं समृद्धि का आशीर्वाद लिया। गैरसैंण प्रखंड के अनेक स्थानों पर पाती मेला आयोजित करने की परंपरा चली आ रही है। यह मेला तीन दिवसीय होता है प्रथम दिन ईष्ट देवताओं का आह्वान, दूसरे दिन भतिल पाती तथा अंतिम दिन पाती मेला जिसमें एक लम्बा स्तंभ को जमीन में गाड़ा जाता है तथा इससे अनाज, फल, फूलों , ककड़ी , संतरा ,घास आदि से सजा कर खड़ा किया जाता है। दोपहर बाद विभिन्न वाद्य यंत्रों पर देव पश्वा नाचते हैं तथा पाती स्तंभ पर चढ़ कर इसमें सजाएं गये फल, अनाज, ककड़ी आदि को भक्तों की ओर फेंकता है।

उपनल द्वारा किया जाए कार्यरत कार्मिकों का नियमितीकरण

रुद्रप्रयाग। प्रयोगशाला सहायक कार्यालय सहायक माध्यमिक शिक्षा संघ के प्रदेश अध्यक्ष जीतराम पौंठियाल ने सरकार से कार्मिकों को जल्द से जल्द उपनल द्वारा नियमितीकरण की मांग की है। कहा कि कोर्ट द्वारा भी उपनल कार्मिकों के पक्ष में फैसला दिया किंतु सरकार अभी तक चुप्पी साधे हुए हैं। साथ ही प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी उपनल कार्मिकों के नियमितीकरण की घोषणा की है, तब से कर्मचारियों में एक खुशी का माहौल बना हुआ था।

नहीं बनी सुरक्षा दीवार, हाथी रौंद रहे मेहनत

वार्ड नंबर 37 पश्चिमी झंडीचौड़ में नहीं थम रही हाथियों की धमक

हाथियों द्वारा रौदे गए खेत

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः भले ही वन विभाग जंगली जानवरों को आबादी में आने से रोकने के दावे कर रहा हो। लेकिन, हकीकत यह है कि भाबर क्षेत्र के अंतर्गत वार्ड नंबर 37 पश्चिमी झंड़िचौड़ में आए दिन हाथी आबादी में पहुंचकर काश्तकारों की फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। लगातार शिकायत के बाद भी वन विभाग क्षेत्र में हाथी सुरक्षा दीवार बनाने को तैयार नहीं है। ऐसे में काश्तकारों ने रोष व्यक्त किया है। भाबर क्षेत्र के अंतर्गत झंडीचौड़ का अधिकांश क्षेत्र जंगल से सटा हुआ है। ऐसे में आए दिन हाथी आबादी में पहुंचकर काश्तकारों के लिए मुसीबत बन रहे हैं। वार्ड पार्षद सुखपाल शाह ने बताया कि शनिवार रात दो बजे हाथियों का झुंड आबादी में पहुंचा। हाथी ने अनुसूया देवी, मुकेश प्रसाद के खेतों में खड़ी धान की फसल को पूरी तरह रोंद दिया। काश्तकारों ने एक जुट होकर कनस्तर बजाते हुए हाथियों को खेत से बाहर जंगल में खदेड़ा। बताया कि आए दिन हाथी आबादी में पहुंचकर काश्तकारों की मेहनत को बर्बाद कर रहे हैं। ऐसे में काश्तकारों को आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है। बताया कि आबादी में हाथी के साथ ही जंगली सुअरो का भी आतंक बना हुआ है। जंगल के आसपास सुरक्षा दीवार बनवाने के लिए कई बार वन विभाग व जनप्रतिनिधियों से शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब तक इस ओर ध्यान नहीं दिया गया। बताया कि एक ओर जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी काश्तकारों के हितों की बात कह रहे हैं। वहीं, स्थानीय प्रशासन व जनप्रतिनिधि काश्तकारों की अनदेखी कर रहा है। हाथियों की धमक में जी रहे स्थानीय लोगों का शाम ढलते ही घरों से बाहर निकलना भी मुश्किल होता जा रहा है।

नौकरी दिलवाने के नाम पर ठगी व छेड़छाड़ करने वाला गिरफ्तार

कोतवाली पुलिस की हिरासत में आरोपी

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः नौकरी दिलवाने के नाम पर लाखों की ठगी करने के साथ ही महिला से छेड़छाड़ करने वाले एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

रविवार को पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 16 जुलाई 2025 को स्थानीय महिला ने कोतवाली में नवल किशोर निवासी झंडीचौड़ द्वारा नौकरी लगाने के नाम पर उनसे दो लाख रुपये और शादी की दो अंगूठियां हड़पने व मारपीट व छेड़खानी करने संबधी शिकायत दर्ज कराई।

शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया। तत्पश्चात क्षेत्राधिकारी निहारिका सेमवाल के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक रमेश तनवार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम द्वारा मामले की विवेचना करते हुए आरोपी नवल किशोर द्वारा वादिनी के साथ धोखाधड़ी करने के साथ ही मारपीट व छेडछाड़ करने की पुष्टि हुई। इस पर पुलिस टीम द्वारा शनिवार 16 अगस्त 2025 को आरोपी नवल किशोर,पुत्र मांगतराम , निवासी- पूर्वी झंडी चौड़ को गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारशुदा आरोपी को न्यायालय में पेश कर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करने के पश्चात जेल भेज दिया गया है।

गेहूंलाड के समीप कर्मी का मिला शव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः राष्ट्रीय राजमार्ग धुमाकोट खंड में वर्क एजेंट के रूप में कार्यरत एक कर्मी का शव पुलिस ने ग्राम गेहूंलाड के समीप बरामद किया है। मृतक कर्मी बीती दस अगस्त से लापता चल रहा था। प्रथम दृष्टया पुलिस मौत को दुर्घटना मान रही है।

राष्ट्रीय राजमार्ग धुमाकोट खंड में वर्क एजेंट के रूप में कार्यरत ग्राम गेहूंलाड निवासी अरूण कुमार बहुखंडी (58 वर्ष) पुत्र जोगेश्वर प्रसाद बीती दस अगस्त से लापता चल रहे थे। 11 अगस्त को स्वजनों की ओर से थलीसैण थाने में उनकी गुमशुदगी भी दर्ज करवाई गई थी। थाना प्रभारी लाखन सिंह ने बताया कि शुक्रवार को गेहूंलाड गांव के प्रवेश द्वार के आसपास ग्रामीणों को तेज दुर्गंध महसूस हुई। ग्रामीणों ने आसपास के क्षेत्र में तलाशा तो रास्ते से नीचे खाई की ओर गांव के गदेरे के किनारे एक शव पड़ा नजर आया। बताया कि ग्रामीणों से मिली सूचना के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची। शव की शिनाख्त अरूण कुमार के रूप में हुई। ग्रामीणों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने बताया कि अरूण अपनी पत्नी के साथ स्यूंसी में किराए के मकान में रहते थे व समय–समय पर गांव में बंद पड़े मकान की देखरेख को आते थे। बताया कि इन दिनों उनकी पत्नी रामनगर गई हुई थी। बीती दस अगस्त को वे गांव में आए व सांझ में वापस स्यूंसी की ओर लौट गए। लेकिन, घर नहीं पहुंचे। पूरी रात अरूण के वापस न आने पर मकान मालिक ने इसकी सूचना परिवार वालों को। जिसके बाद परिवारजनों ने थलीसैण थाने में उनकी गुमशुदगी दर्ज करवाई। थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्टया प्रतीत हो रहा है कि गांव से वापस लौटते हुए अचानक अरूण असंतुलित होकर खाई में जा गिरे, जिसके उनकी मौत हो गई। बताया कि मृत्यु के वास्तविक कारणों की जांच को शव को पोस्टमार्टम करवाया गया है।

पुर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ वेद प्रचार महोत्सव

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः आर्य समाज में चल रहा वेद प्रचार महोत्सव पूर्णाहुति के साथ संपन्न हो गया। इस दौरान सदस्यों ने समाज सेवा में अपना योगदान देने का संकल्प लिया। आयोजित कार्यक्रम में आचार्य नरेश ने लोगों को वेद के महत्व के बारे में बताया। कहा कि वेद हमें बेहतर जीवन जीने की सीख देते हैं। कहा कि वेदों की शिक्षा भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा है, जो हमें ज्ञान, नैतिकता व आध्यात्मिक विमर्श प्रदान करता है। कहा कि वेद ही ऐसे ग्रंथ हैं, जो विज्ञान की कसौटी पर खरे उतरते हैं। सभी से आर्य समाज की शिक्षाओं को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि महर्षि दयानंद ने भी पाखंड, अंधविश्वास जैसी सामाजिक बुराइयों को जड़ से उखाड़ फेंकने का भरसक प्रयास किया। भजनोपदेशक दिनेश पथिक ने शानदार भजनों की प्रस्तुति देकर श्रोताओं को मुग्ध कर कर दिया। इस मौके पर राजेंद्र ग्रोवर, हरीश वर्मा, प्रभु दयाल, सचिन, सुनील वर्मा, मीना, अजय ग्रोवर, शशी सिंघल, नितिन शास्त्री मौजूद रहे।

क्रूरता पर आक्रोश, पशु प्रेमियों ने किया प्रदर्शन

कोटद्वार में झंडाचौक में निराश्रित गोवंश के साथ की जा रही क्रूरता के खिलाफ प्रदर्शन करते पशु प्रेमी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः नगर निगम पर निराश्रित गोवंशों के साथ क्रूरता का आरोप लगाते हुए पशु प्रेमियों ने प्रदर्शन किया। कहा कि नगर निगम बड़ी बेरहमी से पशुओं को अपने वाहनों में डालता है। साथ ही इन पशुओं को कहां लेकर जाया जा रहा है इस बारे में भी किसी को जानकारी नहीं है। ऐसे में पशु प्रेमी पशुओं पर अत्याचार किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं करेंगे। नगर निगम को अपनी कार्यप्रणाली में सुधार करना चाहिए। रविवार को पशु प्रेमियों ने झंडाचौक के समीप पहुंचकर नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन किया। पशु प्रेमियों ने कहा कि नगर निगम पशुओं को लेकर लापरवाह बना हुआ है। कहा कि नगर निगम प्रशासन गोवंश को हटाने के नाम पर उनके साथ नाइंसाफी कर रहा है। एक ही वाहन में क्षमता से अधिक गोवंश को जबरदस्ती ठूंसा जा रहा है, जिससे कई गोवंश चोटिल हो रहे हैं। गोवंश को किसी भी प्रकार की मेडिकल सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई जा रही है। नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत मौजूद गोशालाओं में रखने के बजाय उन्हें अज्ञात स्थान पर ले जाया जा रहा है। जब नगर निगम से इसका जवाब मांगा गया तो स्वयं निगम प्रशासन के पास इसका जवाब नहीं है। पशुप्रेमियों ने 48 घंटे के अंदर शहर से बाहर भेज गए गोवंश का पूरा विवरण सार्वजनिक किए जाने की मांग की है। इसके अलावा पशु कल्याण समुदाय के सदस्यों को भी गोवंश की पहचान प्रक्रिया में शामिल करने, नगर क्षेत्र के अंतर्गत संचालित गौशालाओं की व्यवस्थाओं में सुधार करने व पशुओं को बाहर भेजने के लिए स्पष्ट व पारदर्शी व नीति बनाए जाने की मांग की है। मांग न माने पर पर आंदोलन की चेतावनी दी है। इस मौके पर पशु प्रेमी राजेश जदली, उर्मिला कंडवाल, रितु डुकलान, शकुंतला, जितेंद्र, इंद्रजीत, शक्ति, प्रशन्ना, शालू, प्रदीप कंडवाल, दृष्टि प्रकाश ढौंडियाल मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः ग्रीन पल्स सोसायटी की ओर से राजकीय कन्या इंटर कॉलेज लालपानी में पौधा रोपण अभियान चलाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने लगाए गए पौधों के संरक्षण का भी संकल्प लिया। साथ ही बच्चों आम जन को भी पर्यावरण के प्रति जागरूक करने की सीख दी गई।

आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि लैंसडौन वन प्रभाग के प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की सीख दी। प्रभागीय वनाधिकारी आकाश गंगवार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण के लिए हमें पौधरोपण पर ध्यान देना चाहिए। हमारा उद्देश्य केवल पौधा लगाना ही नहीं, बल्कि उसका संरक्षण करने का भी होना चाहिए। मनुष्य का जीवन, स्वास्थ्य, अर्थव्यवस्था और भविष्य पूरी तरह पर्यावरण पर ही निर्भर करता है। शुक्रवार को कोटद्वार नगर निगम के अंतर्गत लालपानी स्थित राजकीय कन्या इंटर कालेज में प्रभागीय वनाधिकारी ने यह बात कही। ग्रीन पल्स सोसायटी की ओर से हरेला पर्व के समापन पर आयोजित समारोह में प्रभागीय वनाधिकारी ने कहा कि बच्चों के हाथों में देश ही नहीं, पर्यावरण संरक्षण की भी अहम जिम्मेदारी है। सोसायटी की ओर से विद्यालय परिसर में प्रस्तावित मियावाकी वन के बारे में उन्होंने कहा कि शहर में जहां वनीकरण के लिए भूमि पर्याप्त नहीं होती, मियावाकी वन सबसे बेहतर तकनीक है। कहा कि हमें हवा, पानी, भोजन और ऊर्जा सब कुछ प्रकृति से ही मिलता है। पेड़–पौधे और जंगल तापमान व वर्षा को नियंत्रित करते हैं। ऐसे में अपनी आने वाली पीढ़ी के बेहतर भविष्य के लिए हमें अधिक से अधिक पौधरोपण करना चाहिए। सोसायटी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी योगेश जोशी ने मियावाकी वन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बताया कि इस विधि में स्थानीय प्रजातियों के पौधों को एक-दूसरे के काफी निकट लगाया जाता है। इस पद्यति में पौधे तेजी से ऊपर की ओर बढ़ते हैं, जिससे एक घना जंगल विकसित होता है। बताया कि मियावाकी वन में पारंपरिक वन की तुलना में अधिक जैव विविधता होती है और वे तेजी से कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं। प्रधानाचार्य वंदना भारद्वाज ने कहा कि ग्रीन पल्स सोसायटी लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। अभियान के दौरान विद्यालय में 17 प्रजातियों के 60 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। सदस्यों ने पौधरोपण के साथ ही इनके संरक्षण का भी संकल्प लिया। कहा कि जब तक यह पौधे पेड़ नहीं बन जाती इनके संरक्षण की पूरी जिम्मेदारी ग्रीन पल्स सोसाइटी की होगी। इस मौके पर शिक्षिका ममता भंडारी, निर्मला गुसाईं, स्वेता जिरवाण, पीटीए संरक्षक चंद्रेश लखेड़ा, सतीश मलासी, सोसइटी के सदस्य राजेंद्र सिंह रावत, रितुराज सिंह रावत, मोहित कंडवाल, परिणिता कंडवाल आदि मौजूद रहे।

यूपी में बर्ड फ्लू, पौड़ी प्रशासन हुआ सर्तक

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः यूपी में बर्ड फ्लू फैलने के बाद पौड़ी जिला प्रशासन भी सर्तक हो गया है। डीएम स्वाति एस भदौरिया ने पौड़ी जिले में बर्ड फ्लू के संभावित खतरे के देखते हुए पशुपालन विभाग को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। वहीं, जिले में एक हफ्ते तक मुर्गियों व अंडों के परिवहन पर रोक लगाई गई है। जिले में बर्ड फ्लू को फैलने से रोकने के लिए पशुपालन विभाग ने सर्तकता बढ़ा दी है। विभाग ने जनपद की सीमा क्षेत्रों में पुलिस को मुर्गियों और अंडों को जिले में आने से रोकने को कहा है। पशुपालन विभाग के सहायक निदेशक डॉ. भूपेंद्र सिंह जगपांगी ने बताया कि जिले में कोटद्वार के कलालघाटी व अन्य जगहों पर बने मुर्गी बाढ़ों को सर्तक रहने को कहा गया है। इन दिनों पशु चिकित्सकों द्वारा मुर्गियों के रक्त सैंपल लिए जा रहे हैं। बताया कि जनपद सीमा के शंकरपुर धुमाकोट, कोटद्वार, नीलकंठ गुरूड़चट्टी व श्रीनगर क्षेत्रों में सघन चेकिंग के साथ मुर्गियों के परिवहन के लिए बोर्डर सील कर दिए हैं। बताया कि फिलहाल जिले में बर्ड फ्लू का कोई मामला नहीं है। उन्होंने लोगों से किसी भी प्रकार की अफवाह को फैलाने व बचने की अपील की है।

पटालखणी में कोटलीगाड़ नदी का बढ़ा जलस्तर, भू-कटाव

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः पाबौ ब्लाक के ग्राम पंचायत कोटा (पटालखणी) में कोटलीगाड़ नदी का जल स्तर बढ़ने से भूकटाव शुरू हो गया है। ग्रामीणों का कहना है कि हाल ही में छानी में अतिवृष्टि से कोटलीगाड़ का जलस्तर बढ़ गया है। जिससे ग्रामीणों के 2 नाली से अधिक सिचिंत खेत बह गए हैं और अब भूकटाव होने से आवासीय भवनों को भी खतरा हो गया है। लगातार भूकटाव होने ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है।

स्थानीय ग्रामीण हुकुम सिंह चौहान, वीरेंद्र सिंह चौहान, मुकेश डोभाल, केवल चौहान, देवेश डोभाल, मनोज सिंह चौहान, जयदेव चौहान, मंजू देवी चौहान आदि ने बताया कि लगातार हो बारिश से और छानी गांव में अतिवृष्टि के बाद से ग्राम पंचायत कोटा (पटालखणी) में नदी का जल स्तर अचानक बढ़ गया। जिससे ग्रामीणों की दो नाली से अधिक संचित भूमि पूर्ण रूप से बह गयी है। साथ ही फलदार, छायादार और चारपत्ति वाले वृक्ष भी पूर्ण रूप से बह गए है। बताया कि भूकटाव होने से नहरे भी क्षतिग्रस्त हो गयी है। नदी का जल स्तर बढ़ने से पेयजल लाइने पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त होने के साथ मत्स्य पालन को भी खतरा पैदा हो गया है। पेयजल आपूर्ति को सुचारू रूप से संचालित किए जाने को लेकर ग्रामीणों ने वैकल्पिक व्यवस्था बनाकर पेयजलापूर्ति की जा रही है। कहा कि यदि जल्द से भूकटाव को नहीं रोका गया तो आने वाले समय में बड़ी अनहोनी हो सकती है। उन्होंने प्रशासन से कोटलीगाड़ के दोनों किनारे सुरक्षा दीवार निर्माण किए जाने की मांग की है। जिससे आवासीय भवनों के साथ ही सिंचित भूमि को बचाया जा सकें।

आपदा प्रभावितों को दी राशन किट

जयन्त प्रतिनिधि।

पौड़ीः जिले के पाबौ ब्लाक में आई आपदा के बाद प्रभावित परिवारों को लगातार राहत सामग्री और आर्थिक सहायता पहुंचाई जा रही है। रविवार को सैंजी व बुरांशी गांवों में आपदा पीड़ितों को राहत चेक और राशन किट वितरित किए। सामाजिक कार्यकर्ता विनोद रावत व मनवर सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से आपदा प्रभावित परिवारों को निरंतर सहायता दी जा रही है।

सैंजी गांव में 84 आपदा पीड़ितों को 5 लाख 46 हजार रुपये के राहत चेक वितरित किए गए। वहीं, बुरांशी गांव में 37 परिवारों को 2 लाख 40 हजार रुपये के चेक और राशन किट उपलब्ध कराए गए। इस दौरान तहसीलदार दीवान सिंह राणा आदि मौजूद रहे।

लोनिवि का रास्ता पहली बरसात में ही ध्वस्त

रुद्रप्रयाग। मुख्यालय की करीबी ग्राम पंचायत नरकोटा में लोक निर्माण विभाग रुद्रप्रयाग द्वारा रेल विकास मद में 30 लख रुपये की लागत से बनाया गया रास्ता क्षतिग्रस्त हो गया है। इसकी दीवारें पहली बरसात में ही ध्वस्त हो गई है। ग्रामीणों ने कहा कि इस मामले में लोनिवि द्वारा कोई सकारात्मक कार्यवाही नहीं की जा रही है, जिससे वे अब जिलाधिकारी को मामले की जानकारी देंगे। इस साल जनवरी–फरवरी माह में नरकोटा में लोनिवि द्वारा करीब 230 मीटर लंबे रास्ते का निर्माण किया गया। रेल विकास बोर्ड द्वारा ग्राम पंचायत की भूमि अधिग्रहण करने के बाद ग्राम पंचायत में आधारभूत सुविधा उपलब्ध करवाने के लिए आर–आर प्लान स्वीकृत किया गया था।ग्राम सभा की मांग के अनुसार जिलाधिकारी की स्वीकृति के बाद लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्माण कार्य करवाया गया। ग्राम पंचायत नरकोटा के पूर्व प्रधान सुरेंद्र जोशी ने कहा कि उक्त मार्ग निर्माण में विभाग द्वारा मानकों की अनदेखी की गई है। पहली ही बरसात में दीवारों का टूट जाना लोक निर्माण विभाग की कार्यशैली को बंया करता है। इसमें गुणवत्ता का ध्यान नहीं दिया गया। राष्ट्रीय राजमार्ग से 150 मी लंबाई तक इस रास्ते को 10 फीट चौड़ा कर वाहनों के लिए बनाया गया है किंतु कहीं ग्रेड का ध्यान नहीं रखा गया है। चौड़े इस रास्ते पर जल निकास की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। जिस कारण रास्ते का पूरा पानी ग्रामीणों के घरों एवं खेत खलियाणो में घुस रहा है। रास्ते पर कई जगह पर इतना तीव्र ढाल है कि पैदल चलने में भी हर समय गिरने का भय बना रहता है। उक्त मार्ग की क्षतिग्रस्त दीवारों एवं लगातार हो रही बारिश के पानी कारण स्थानीय निवासी मुकेश भट्ट, राकेश भट्ट रोशन लाल आदि स्थानीय निवासियों के आवासीय भवनों शौचालयों, गौशालाओं एवं खेत खलियानों को भारी खतरा बना हुआ है।

जोशी ने बताया का इस संबंध में उनके द्वारा लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता एवं सहायक अभियंता को 2 अगस्त को फोन पर सूचना दी गई थी साथ ही इसके फोटोग्राफ्स भी उपलब्ध कराए गए किंतु विभाग द्वारा अभी तक क्षतिग्रस्त दीवारों के पुनर्निर्माण के लिए किसी भी प्रकार की कोई कार्यवाही नहीं की गई। उन्होंने बताया कि वे शीघ्र जिला अधिकारी से मिलकर उक्त मार्ग पर निर्माण कार्य में हुए भ्रष्टाचार की जांच की मांग करवाने की अपील करवाएं।

मकान क्षतिग्रस्त, सहायता की मांग

नई टिहरी(आरएनएस)। बारिश के कारण भिलंगना ब्लाक के सेमल्थ गांव में एक मकान भारी बारिश से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ है। मकान में रहने वाले परिवार को भले ही अन्यत्र शिफट कर दिया गया है। लेकिन प्रभावित बिहारी लाल गौड़ ने डीएम टिहरी निकिता खंडेवाल को पत्र लिखकर शीघ्र सहायता प्रदान करने की मांग की है। नैलचामी पट्टी के ग्राम सेमल्थ के प्रभावित बिहारी लाल गौड़ ने डीएम को लिखे पत्र में मांग की है कि उनका भवन बारिश से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुआ हे। दीवार ढहने के साथ ही भवन में दरारें आ गई हैं। जिसके चलते उन्हें व उनके पुत्र महेश गौड़ को अन्यत्र शिफट किया गया है। लेकिन अभी तक राहत व सहायता नहीं मिल पाई है। तत्काल सहायता की मांग प्रभावित परिवार ने की है। यहां की नव निर्वाचित बीडीसी मेंबर गुड्डी कुकरेती ने भी प्रभावित परिवारों को तत्काल राहत देने की मांग जिला व स्थानीय प्रशासन से की है।

समाज कल्याण और उत्थान ही सत्संग का सच्चा अर्थ

नई टिहरी। संत निरंकारी मिशन की ओर से आयोजित टिहरी और उत्तरकाशी जिले के महिला समागम में भारी बारिश के बीच भी लोग बड़ी संख्या में पहुंचे। दूर–दराज से पहुंचे भक्तों ने गुरु गद्दी पर अरदास कर सुखद जीवन का आशीर्वाद मांगा। उन्होंने कहा कि सत्संग का सच्चा अर्थ तभी सही है कि जब हर व्यक्ति समाज के कल्याण और उत्थान के लिए काम करे। कहा कि हर व्यक्ति को सत्संग की ज्ञान रूपी माला को जपना चाहिए। सत्संग के समापन पर विशाल भंडारा भी आयोजित किया गया। रविवार को बौराड़ी स्थित निरंकारी भवन में आयोजित महिला समागम में गुरु गद्दी से ज्ञान प्रचारिका सविंदर कौर ने प्रवचन किए। उन्होंने कहा कि संत निरंकारी मिशन, निरंकार को प्राथमिकता देता है। निरंकार हमारे हर कर्म में शामिल है। कहा कि हम सब का दायित्व है कि सत्संग की ज्ञान रूपी रोशनी को जग–जग तक पहुंचाएं। कहा कि गुरु के ज्ञान के बाद हमारा जीवन तपने,निखरने लग जाता है,और हमें यह समझ आता है कि जीवन तपिश हमें कमजोर नहीं बना सकती है। उन्होंने कहा कि मिशन धर्म के साथ ही मानव उत्थान और समाज जागरुकता के लिए भी काम कर रहा है। मिशन स्वास्थ्य, स्वच्छता,पर्यावरण,आपदा प्रभावितों के मदद के लिए निरंतर काम कर रहा है। समागम में पहुंचे भक्तों ने शानदार भजनों की भी प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर विधायक किशोर उपाध्याय, जिला पंचायत उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला, मिशन के जोनल इंचार्ज हरभजन सिंह, क्षेत्रीय संचालक गबर सिंह चौहान, सभासद डॉ.प्रीति पोखरियाल, संयोजक सबल सिंह चौहान, संपत लाल शाह, हीरा लाल, मदन मोहन पेटवाल, विजयपाल नेगी, डॉ.नित्यानंद उनियाल, मनोहर कुड़ियाल, दिलवर पंवार, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश राणा, देवेंद्र नौडियाल,नीलम नेगी,बीना उनियाल आदि मौजूद थे।

श्री एड़ी बालकृष्ण मेले का पुरस्कार वितरण के साथ समापन

चम्पावत। तीन दिवसीय श्री एड़ी बालकृष्ण मेले का समापन रविवार को पुरस्कार वितरण के साथ हुआ। मेले में महेंदी, वालीवाल, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताएं हुए। स्वर्गीय बाला दत्त भट्ट स्मृति सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में राकेश शर्मा, आशीष बोहरा, धीरज भट्ट प्रथम तीन स्थान पर रहे। जूनियर स्तर में ललित जोशी, ललित मोहन, सूरज भट्ट प्रथम तीन स्थान पर रहे। सीनियर वर्ग में सचिन शर्मा, हिमांशु भट्ट, हर्षित जोशी प्रथम तीन स्थान पर रहे। प्राथमिक स्तर में सरस्वती शिशु मंदिर भिंगराड़ा के कौशल जोशी, तेजस भट्ट, अंश कलोनी प्रथम तीन स्थान पर रहे। मेहंदी प्रतियोगिता में नेहा जोशी, ललिता, सुमन गोस्वामी प्रथम तीन स्थान पर रहे। शनिवार की शाम सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ भाजपा के जिला महामंत्री मुकेश कलखुड़िया और मेला कमेटी अध्यक्ष मुकेश महराना ने किया था। नवीन रशीला के नेतृत्व में आई सरस्वती कला केंद्र धरसों की टीम ने मनमोहक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सुबह तक दर्शकों को झूमने के लिए मजबूर कर दिया। इस दौरान भोला बोहरा,जगदीश बोहरा, दरवान रजवार, नवीन गड़कोटी,भगवान कुंवर, भुप्पी महर, हरीश मिश्रा, चंद्रशेखर जोशी, उमेश भट्ट,भगीरथ भट्ट, मुकेश जोशी आदि रहे।

बैटरी चोरों का नहीं लगा सुराग

चम्पावत। टनकपुर। मनिहारगोठ में घर के बाहर खड़े ई–रिक्शा की बैटरियां चुराने वाले चोरो का सुराग नहीं लग सका है। पीड़ित ने गत् दिवस पुलिस को चोरी की सूचना देकर कार्यवाही की मांग की थी। 15 अगस्त की रात्रि मनिहारगोठ गांव में घर के बाहर खड़े ई– रिक्शा का लॉक तोड़कर चोरों ने उसमें लगी चार बैटरियां उड़ा ली थी।

ई –रिक्शा स्वामी असगर हुसैन ने पुलिस को बैटरी चोरी की सूचना दी थी । मनिहारगोठ चौकी प्रभारी वरिष्ठ उप निरीक्षक पूरन सिंह तोमर ने बताया कि चोरों की तलाश की जा रही है, जल्द ही चोरों को पकड़ लिया जाएगा। चोरी की घटनाओं को देखते हुए ग्राम प्रधान शाहाना खातून ने रात्रि में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है।

डीएम ने किया राष्ट्रीय राजमार्ग का निरीक्षण

बागेश्वर। चम्पावत डीएम मनीष कुमार ने बाराकोट स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग के संतोला क्षेत्र का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वर्षा के कारण सड़क की वर्तमान स्थिति, उसकी स्थिरता और यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के बाद डीएम ने संबंधित अधिकारियों और राष्ट्रीय राजमार्ग विभाग के कर्मचारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने विशेष रूप से जल निकासी व्यवस्था को बेहतर बनाने, भूस्खलन की आशंका वाले क्षेत्रों पर लगातार नजर रखने और किसी भी तरह की सड़क रुकावट की स्थिति में तुरंत कार्रवाई करने पर जोर दिया। डीएम ने बताया कि संतोला सहित जनपद में राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात सुचारु रूप से चल रहा है और जिला प्रशासन किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। उन्होंने अधिकारियों से संवेदनशील स्थानों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने और सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन करने का निर्देश दिया ताकि किसी भी संभावित खतरे को प्रभावी ढंग से टाला जा सके। निरीक्षण के दौरान, तहसीलदार जगदीश नेगी, अधिशासी अभियंता राष्ट्रीय राजमार्ग बृजमोहन आर्या सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि हमारे द्वारा ग्रामसभा कफल्ड पोस्ट ऑफिस कफल्ड थलीसैंण पौड़ी गढ़वाल के चौरीखाल द्वारा माँ दीवा भगवती कौथिग [मेला]समिति कफल्ड चौरीखाल के नाम का पंजीकरण किया जाना है, अतः जिस किसी को भी माँ दीवा भगवती कौथिग [मेला]समिति कफल्ड चौरीखाल के नाम से हमारे द्वारा समिति का पंजीकरण कराए जाने में कोई भी आपत्ति हो तो वह इस प्रकाशन के 15 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति जिला निबंधक फर्म एंड सोसाइटी/जिला कोषाधिकारी पौड़ी गढ़वाल को प्रेषित कर दें।

संक्षिप्त समाचार

जिम्मेदारी से बचने के लिए गैरसैंण जा रही सरकारः बसपा

देहरादून। गैरसैंण में विधानसभा सत्र को लेकर बसपा विधायक मोहम्मद शहजाद ने कहा कि सरकार जिम्मेदारी से बचने के लिए गैरसैंण जा रही है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार संवेदनशील है तो फिर गैरसैंण में सिर्फ औपचारिकता के लिए सत्र क्यों कर रहे हैं। सरकार यहां पूरे एक–दो महीने के लिए रुककर क्यों नहीं काम करना चाहती है। बसपा विधायक ने कहा कि बरसात को छोड़कर भी बाकी नौ महीने है, तब सरकार गैरसैंण में सत्र कर पूरे एक महीने यहीं से काम करे। लेकिन गैरसैंण जाने का मतलब है कि सरकार जिम्मेदारी से बचाना चाहती है। वह सिर्फ दो दिन की औपचारिकता करेगी और राज्य के मुद्दे उठाने तक का मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने कहा कि सत्र क्यों नहीं सोमवार से शुरू किया जाता है। वह चाहते हैं कि मुख्यमंत्री भी सदन में अपने विभागों के विषयों पर चर्चा करें। लेकिन सरकार जिम्मेदारी से भागना चाहती है और यह सिलसिला भी गैरसैंण सत्र में भी जारी रहने वाला है। क्योंकि पंचायत चुनाव में सरकार फजीहत झेल चुकी है। विधायक शहजाद ने कहा कि सरकार को मालूम है कि अगर वह सत्र को लंबा चलाती है तो खुद घिर जाएगी, इसलिए गैरसैंण में सत्र करवाया जा रहा है, ताकि कम से कम मौका यहां सदस्यों को अपनी बात रखने का मिल पाए। उन्होंने कहा कि वह राज्य के मुद्दों धराली समेत पूरे प्रदेश में आई आपदा के विषय को और आपदाग्रस्त क्षेत्र की परेशानियों को सदन में उठाएंगे।

बेसिक संवर्ग के शिक्षकों ने राजकीय शिक्षक संघ छोड़ने की चेतावनी दी

देहरादून।राजकीय एलटी समायोजित, पदोन्नत शिक्षक संघर्ष मंच के सदस्यों ने राजकीय शिक्षक संघ छोड़ने की चेतावनी दी है। मंच ने शिक्षक संघ पर उनकी एक सूत्रीय मांग को लेकर भेदभाव का आरोप लगाया है। मंच आज सोमवार से प्रस्तावित चॉक डाउन हड़ताल में उनकी मांग को शामिल नहीं किए जाने से नाराज हैं। राजकीय शिक्षक संघ आज सोमवार से प्रधानाचार्य पदोन्नति परीक्षा के खिलाफ चॉकडाउन हड़ताल शुरू करने जा रहा है। हालांकि भर्ती समर्थक शिक्षक पहले ही हड़ताल के खिलाफ उतर आए हैं। अब राजकीय एलटी समायोजित, पदोन्नति शिक्षक संघर्ष मंच के प्रांतीय अध्यक्ष दिग्म्बर फुलेरिया और महासचिव सुजान बुटोला ने राजकीय शिक्षक संघ के अध्यक्ष, महामंत्री को पत्र लिखा है। इसमें उन्होंने कहा कि उनकी सिर्फ एक मांग रही है, लेकिन राजकीय शिक्षक संघ ने कभी भी इसे लेकर गंभीरता नहीं दिखाई। जबकि बेसिक से एलटी में नियुक्त सभी शिक्षक हमेशा राजकीय शिक्षक संघ के साथ समर्पित रहे हैं। मंच के सदस्य, राजकीय शिक्षक संघ के सभी कार्यक्रम में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेते हैं। लेकिन उनकी एक मांग को आज से प्रस्तावित हड़ताल में शामिल नहीं किया गया है। यह संघ के अन्य हितधारक सदस्यों के साथ न्याय नहीं है। मंच ने बैठक में तय किया कि 18 अगस्त को प्रस्तावित आंदोलन में प्रतिभाग तो करेंगे, लेकिन यदि वर्तमान प्रांतीय कार्यकारिणी के कार्यकाल में मंच की मांग पूरी नहीं होती है तो मंच के सभी सदस्य राजकीय शिक्षक संघ से इस्तीफा देने को मजबूर हो जाएंगे।

गैरसैंण विधानसभा सत्र का घेराव करेगा उक्रांद

देहरादून। उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने 19 अगस्त से गैरसैंण में प्रस्तावित विधानसभा सत्र के दौरान घेराव का ऐलान किया है। रविवार को विभिन्न मांगों को लेकर दल के केंद्रीय कार्यालय में बैठक हुई। केंद्रीय महामंत्री बृजमोहन सजवाण ने कहा कि देवभूमि उत्तराखंड की स्थाई राजधानी गैरसैंण बनाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर गैरसैंण में प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। सरकार को धराली आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करना चाहिए। वहीं, बद्रीनाथ में चल रहे मास्टर प्लान के कार्य को तत्काल रोका जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दल पहाड़ों में निर्माणधीन बड़े बांधों के विरोध में है। इससे पहाड़ की भौगोलिक स्थिति बिगड़ रही है।

गुरुद्वारा अमृत दरबार में लगाया रक्तदान शिविर

देहरादून। स्वतंत्रता दिवस की 79वीं वर्षगांठ पर कालिका मंदिर मार्ग घंटाघर पार्षद संतोख सिंह नागपाल ने महंत इंद्रेश अस्पताल के सहयोग से श्री गुरुद्वारा अमृत दरबार में 33 वें रक्तदान शिविर का आयोजन किया। मीडिया प्रभारी संजीव विज ने बताया कि क्षेत्रीय लोगों ने शिविर में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर में 225 यूनिट ब्लड का संग्रह किया गया।

उद्योग और श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय बनाए श्रम विभागः मुख्यमंत्री धामी

देहरादून। उत्तराखण्ड भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड द्वारा एक विशेष अभियान चलाकर श्रमिक एवं श्रमिकों के आश्रितों के पुत्री विवाह सहायता योजना, मृत्यु अनुदान योजना, प्रसूति सहायता योजना एवं शिक्षा सहायता योजना अंतर्गत 8,299 आवेदनों का ऑनलाइन निस्तारण किया गया। जिसका मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऑनलाइन डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर एक क्लिक द्वारा किया गया। इसके तहत कुल 24,85,19,700/–(चौबीस करोड़ पिचासी लाख उन्नीस हज़ार सात सौ रूपये) की धनराशि संबंधित श्रमिक एवं उनके आश्रितों के बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। सचिव श्रम श्रीधर बाबू अददांकी व श्रमायुक्त प्रकाश चंद्र दुमका , श्रमायुक्त द्वारा अवगत कराया गया कि कर्मकार बोर्ड द्वारा विगत एक माह में विशेष अभियान चलाकर इन 8,299 आवेदनों का निस्तारण किया गया। बोर्ड स्तर पर प्रथम बार इस प्रकार का प्रयास किया गया है। यह भी आश्वस्त किया गया कि भविष्य में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों को भी ससमय अभियान चलाकर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने बोर्ड के इस प्रयास की सराहना की गई तथा श्रम विभाग के लेबर सेस मैनेजमेंट पोर्टल और ई–श्रम पोर्टल पर राज्य की उत्कृष्ट प्रगति को देखते हुए श्रम विभाग के अधिकारियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिये कि श्रम विभाग को जहाँ एक ओर श्रमिकों की समस्याओं का निस्तारण तत्परता के साथ करना होगा वहीं उद्योगों एवं श्रमिकों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना होगा ताकि श्रमिकों को निरंतर सुलभता रोजगार प्राप्त होता रहे ।

नंदा महोत्सव के दौरान डीएसए मैदान में नहीं लगेंगे फड़

नैनीताल। नैनीताल में इस बार नंदा देवी महोत्सव 28 अगस्त से शुरू होने जा रहा है। महोत्सव और मेला स्थल पूरी तरह से प्लास्टिक फ्री रखा जाएगा। इस बार डीएसए मैदान की जगह फड़ अशोक पार्किंग या कहीं और लगाए जाएंगे। नंदा देवी महोत्सव में इस वर्ष डीएसए मैदान में फड़ नहीं लगाए जाएंगे। मैदान में केवल पंडाल, दुकानें और झूले लगाने की ही अनुमति होगी। फड़ वालों के लिए अलग से व्यवस्था की जाएगी। इन दिनों अशोक पार्किंग में पूर्व में निर्माण कार्य किया जा रहा है। मेले तक कार्य पूरा होने के बाद फड़ वालों की आवश्यकतानुसार व्यवस्था की जाएगी। मेले में टिन शेड के स्थान पर कियॉस्क कैनोपी लगाने की भी योजना है। बीते साल बारिश से व्यापारियों को काफी नुकसान झेलना पड़ा था। पालिकाध्यक्ष डॉ सरस्वती खेतवाल ने बताया कि डीएसए मैदान में एक बड़ा पंडाल लगाया जाएगा।

हर्षिल घाटी का लिडार सर्वे शुरू

— थ्री डी मानचित्र तैयार कर हर्षिल घाटी का वृहद स्तर पर डाटा एकत्रित होगा

देहरादून। आपदा प्रभावित हर्षिल घाटी का लिडार सर्वे शुरू कर दिया गया है। इसके लिए, चीता हैलीकॉप्टर का उपयोग किया जा रहा है। इसमें हर्षिल घाटी का थ्री डी मानचित्र तैयार करने के साथ ही वृहद स्तर पर डाटा एकत्रित किया जा रहा है। जो बाढ़, भूस्खलन के साथ ही अन्य आपदाओं की स्थिति में कारगर साबित होगा।

भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के भू आपदा अनुसंधान और प्रबंध केंद्र कोलकाता ने वर्ष 2022 में हिमालयी राज्यों में आपदा के नुकसान को कम करने के लिए लिडार सर्वे का सुझाव अपने एक शोध में दिया था। इस शोध में संस्थान की टीम ने उत्तरकाशी के ही भटवाड़ी क्षेत्र का लिडार सर्वे किया था। इस शोध रिपोर्ट में कहा गया था लिडार सर्वे से भूस्खलन, हिमस्खलन जोन चिन्हित करने के साथ ही उनकी पहचान में स्पष्टता होने की वजह से आपदा से नुकसान को कम किया जा सकता है। अब धराली की आपदा के बाद वैज्ञानिकों की टीम ने पूरी हर्षिल घाटी का लिडार सर्वे शुरू कर दिया गया है। इसमें इस पूरे इलाके की भू पारिस्थितिकी का आंकलन कर डाटा एकत्रित करने के साथ ही थ्री डी मानचित्र भी तैयार किया जाना है। जो भविष्य में आने वाली आपदाओं के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण होगा। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के मुताबिक फिलहाल वैज्ञानिकों की टीम के साथ चीता हैलीकॉप्टर की मदद से हर्षिल घाटी का लिडार सर्वे को शुरू कर दिया गया है। झीलों की मॉनिटरिंग के लिए सेंसर लगेंगे धराली और हर्षिल में अधिक ऊंचाई पर स्थित सभी झीलों पर सेंसर लगाए जाने हैं। मुख्य सचिव के आदेश के बाद उत्तराखंड अंतरिक्ष उपयोग केंद्र को नोडल एजेंसी बनाया गया है। वह नेशनल रिमोट सेंसिंग सेंटर और इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ रिमोट सेंसिंग के साथ मिलकर सेंसर लगाने का काम करने जा रहा है।

शहीद संदीप थापा की शहादत को किया नमन

विकासनगर। तेलपुरा–अटकफार्म में रविवार को शहीद संदीप थापा की शहादत दिवस पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। शहीद की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पार्पण कर लोगों ने उनकी शहादत को नमन किया। विधायक सहदेव पुंडीर ने शहीद के पिता को शॉल ओढ़ाकर उनके बेटे की शहादत का सलाम किया। विधायक ने कहा कि देश की सीमाओं की रक्षा में उत्तराखंड के वीर सपूतों का सबसे बड़ा योगदान है। सेना के प्रत्येक ऑप्रेशन में उत्तराखंड के सपूत शामिल रहते हैं। उन्होंने कहा कि देश के वीर सपूतों और उन सपूतों को जन्म देने वाले माता–पिता को नमन करना प्रत्येक देशवासी का धर्म है। जिन माता–पिता ने अपने सपूतों को देश की रक्षा के लिए बलिदान किया है, उनकी जरूरतों का ध्यान रखना व उन्हें सम्मान देना प्रत्येक देशवासी को नैतिक दायित्व है। कहा कि सीमाओं पर तैनात जवानों की वजह से देशवासी आराम की जिंदगी जी रहे हैं। हमें खतरों से बचाने के लिए सेना के जवान अपनी जीवन का बलिदान करते हैं। उनके बलिदान को देश कभी नहीं भूल सकता है। इस दौरान शहीद के पिता भगवान थापा, सुखदेव, यशपाल नेगी, कैलास चौहान, मदन मोहन खंतवाल, बह बहादुर थापा, हनुमंत रावत, प्रणव छेत्री आदि मौजूद रहे।

मदमहेश्वर पैदल मार्ग ध्वस्त, रेस्क्यू टीमें निकाल रही फंसे यात्री

रुद्रप्रयाग। लगातार हो रही बारिश के चलते द्वितीय केदार मद्महेश्वर पैदल मार्ग बनतोली के पास भूस्खलन से 50 मीटर ध्वस्त हो गया है जिससे मद्महेश्वर से लौटने वाले यात्री मार्ग में ही फंस गए। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची जहां मार्ग में फंसे यात्रियों को रस्सी के सहारे सुरक्षित दूसरी तरफ लाया गया है। बीती रात हुई मसूलाधार बारिश केचलते बनतोली में पैदल मार्ग ध्वस्त होने से मार्ग में आवाजाही ठप हो गई। आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि पैदल मार्ग में करीब 200 यात्री फंसे थे जिन्हें रेस्क्यू टीमों द्वारा सुरक्षित निकाला जा रहा है। रविवार को रेस्क्यू टीमों द्वारा ही मार्ग पर पत्थर मलबा हटाते हुए किसी तरह पैर रखने लायक बनाया गया ।

खतरे के निशान पर यमुना का जल स्तर, तटवर्ती क्षेत्रों के लोगों में खलबली

विकासनगर, झमाझम बारिश से यमुना का जल स्तर एक बार फिर तटवर्ती क्षेत्रों के लोगों की चिंता को बढ़ाने लगा है। रविवार को जल स्तर खतरे के निशान पर पहुंच गया, जल स्तर बढ़ने से प्रशासन सतर्क हो गया है। हालांकि प्रशासन का दावा है कि अभी कोई खतरा नहीं है और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। बावजूद इसके तटवर्ती क्षेत्रों के लोगों को यमुना की लहरें डरा रही हैं। टौंस का जल स्तर भी चेतावनी निशान के करीब पहुंच गया है। रविवार को टौंस चेतावनी के निशान से मात्र एक मीटर नीचे बह रही थी। रविवार सुबह यमुना का जल स्तर 455.37 मीटर पर दर्ज किया गया जो खतरे के निशान भी है। बीते दस दिनों से लगातार यमुना के जल स्तर में वृद्धि दर्ज की जा रही है। हालांकि अभी तक जल स्तर ने खतरे के निशान को पार नहीं किया है, लेकिन तटवर्ती बस्तियों से टकरा रही यमुना की लहरें लोगों में दहशत पैदा कर रही हैं। ऊपरी कैचमेंट एरिया में लगातार हो रही बारिश के कारण जल स्तर में वृद्धि दर्ज की जा रही है। बारिश का दौर जारी रहा तो जल स्तर के खतरे के निशान को पार करने की आशंका बनी हुई है, जिससे निचले इलकों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो सकते हैं।

जौनसार बावर की पांच सड़कें बंद, 50 गांवों का आवागमन ठप पड़ा

विकासनगर। मूसलाधार बारिश से जौनसार बावर क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित हो गया है। कई गांवों के ग्रामीणों का शहर और मंडियों से संपर्क कटने से दुश्वारियां बढ़ गई हैं। रविवार को भी क्षेत्र के चार मोटर मार्गों पर यातायात ठप रहा। जबकि पछुवादून के एक मोटर मार्ग पर भी मलबा आने से आवाजाही बंद रही। मोटर और संपर्क मार्ग बंद होने के चलते किसानों को पीठ पर उपज ढोना पड़ रहा है। बंद मार्ग खोलने को संबंधित विभागों ने मौके पर जेसीबी लगाई हुई है। लेकिन कालसी ब्लॉक के लोरली–खिराड़ मोटर मार्ग पर एक माह से अधिक समय से यातायात ठप है, जिससे करीब तीन हजार की आबादी प्रभावित हुई है। लोगों की रोजमर्रा की दिनचर्या भी अस्तव्यस्त हो गई है। पछुवादून के लांघा–मटोगी मोटर पर भी बीते एक सप्ताह से आवाजाही बंद है। रोजाना बारिश के कारण पहाड़ दरकने से जौनसार बावर में लोगों का जनजीवन प्रभावित होना शुरू हो गया है। रविवार को ड्यूडीलानी–चुनाऊ–कामला मोटर मार्ग, त्यूणी–चांदनी–प्यूनल मार्ग, लोरली–खिराड़ मार्ग और लाखामंडल–चकराता मोटर मोटर मार्ग पर यातायात ठप रहा, जिससे हजारों की आबादी गांवों में कैद होकर रह गई। लांघा–मटोगी मोटर मार्ग पर भी यातायात बंद रहने से बिन्हार क्षेत्र की आठ हजार की आबादी को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। किसानों को पैदल पीठ पर मलबे से गुजर कर उपज को मंडी की बजाय पास के बाजारों में पहुंचाना पड़ा। कुछ किसान गांव के छोटे बाजारों में ही सस्ते दाम पर फल, सब्जी समेत अन्य चीजें बेच रहे हैं। कई वाहन गांव के संपर्क मार्गों पर फंसे हुए हैं। करीब पचास गांवों का आवागमन ठप रहा, जिसके कारण लोग कई किमी पैदल दूरी नापने को मजबूर हैं। जबकि लोरली–खिराड़ मार्ग पर 12 जुलाई से और लांघा–मटोगी मोटर मार्ग के 10 अगस्त से बंद होने के कारण 20 गांवों के किसानों की नगदी फसलें मंडी नहीं पहुंच पाने के कारण सड़ने लगी हैं। रोजमर्रा के कामों के लिए ग्रामीणों को कई किमी की पैदल दूरी नापनी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने बंद पड़े मार्गों को जल्द खोलने की मांग की है। उधर, लोनिवि की अधिशासी अभियंता रचना थपलियाल और नीरज त्रिपाठी ने बताया कि बंद मोटर मार्गों को खोलने के लिए जेसीबी तैनात कर दी गई हैं।

पलायन रोकने को स्वरोजगार पर करेंगे फोकसः रौतेला

नई टिहरी। जिला पंचायत के नवनिर्वाचित उपाध्यक्ष मान सिंह रौतेला ने कहा कि स्वरोजगार और पर्यटन गतिविधियां बढ़ाने के लिए वह विशेष प्रयास करेंगे ताकि युवाओं को रोजगार मिल सके। जिला पंचायत की योजनाओं को धरातल पर उतारने का प्रयास करेंगे। अध्यक्ष और बोर्ड के साथ मिलकर गांवों में बिजली, पानी, सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे मुद्दों पर कार्य किया जाएगा। रविवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में जिला पंचायत उपाध्यक्ष रौतेला का कार्यकर्ताओं ने फूल–मालाओं के साथ स्वागत किया। उन्होंने कहा कि जो जिम्मेदारी जनता ने उन्हें दी है, उस पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे। कांग्रेस जिलाध्यक्ष राकेश राणा, प्रदेश प्रवक्ता शांति प्रसाद भट्ट, पूर्व प्रमुख विजय गुनसोला ने कहा कि भाजपा ने वोट के साथ ही प्रत्याशी की भी लूट की है।

कालसी में मेधावी छात्राओं को टैबलेट वितरित किए

विकासनगर। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से रविवार को ब्लॉक मुख्यालय में बहुउद्देश्यीय न्यू मोड्यूल शिविर लगाया गया। शिविर में मेधावी छात्राओं को टेबलेट समेत जरूरतमंदों को आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। साथ ही कालसी क्षेत्र की जनता को सरकारी विभागों की योजनाओं के संबंध में जागरूक किया गया। शिविर की शुरुआत हाईकोर्ट के न्यायाधीश मनोज तिवारी और मंजू तिवारी की मौजूदगी में हुआ। दोनों ही न्यायाधीशों ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। संस्कृति विभाग के कलाकारों द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत और स्थानीय संस्कृति को दर्शाने वाले लोक नृत्य प्रस्तुत किए गए। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सीमा डुंगराकोटी ने बताया कि इस प्रकार के बहुउद्देशीय शिविर समय–समय पर आयोजित किए जाते रहे हैं, जिनका मुख्य उद्देश्य विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से, क्षेत्र की जनता को, उनके विधिक और सामाजिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। शिविर की स्वच्छता व्यवस्था बनाए रखने के लिए सात पर्यावरण मित्रों को उनके निःस्वार्थ सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य विभाग की ओर से निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कर विभिन्न जांच परीक्षण और दवाइयों का वितरण किया गया। स्थानीय लाभार्थियों, वरिष्ठ नागरिकों, महिलाओं, स्कूली छात्र–छात्राओं को कंप्यूटर सेट, टैबलेट, न्यू पहल किट, फर्स्ट एड किट, स्टेशनरी सेट, इम्युनिटी बूस्टर किट, सोलर लैंप, छाते, कंबन, टिफिन व वॉटर बोटल, स्कूल बैग का वितरण किया।

सौड़ी की सड़क का 20 साल में भी डामरीकरण नहीं

ग्रामीणों ने बोले डामरीकरण न हुआ तो करेंगे आंदोलन शुरू

नई टिहरी। जौनपुर विकासखंड के तहत ख्यार्सी से आम्बेडकर ग्राम सौड़ी मोटर मार्ग का डामरीकरण न होने से आम्बेडकर ग्राम वासियों में लोनिवि की कार्यप्रणाली को लेकर भारी आक्रोष व्याप्त है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि इस सड़क मार्ग का डामरीकरण न हुआ तो, लोनिवि की शिथिल कार्यप्रणाली को लेकर आंदोलन शुरू किया जायेगा। पूर्व ग्राम प्रधान ख्यार्सी सहित आम्बेडकर गांव निवासी अनिल, विक्रम, बगरू, पूर्व प्रधान कुंदन का कहना है कि ख्यार्सी–सौड़ी मोटर मार्ग बने 20 वर्ष से अधिक का समय हो गया है। लेकिन लोनिवि ने आज तक इस सड़क मार्ग का डामरीकरण नहीं किया है। जिससे चलते मोटर मार्ग दर्जनों स्थानों पर उबड़–खाबड़ बना हुआ है। जिससे आम लोगों सहित वाहनों को आवाजाही में खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सड़क की बदहाली को लेकर दर्जनों बार लोनिवि के अभियंताओं व स्थानीय प्रशासन को अवगत कराया गया, लेकिन आज तक इस ओर कोई कार्यवाही नहीं हुई। ग्रामीणों ने बदहाल सड़क को लेकर चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही सड़क का डामरीकरण नहीं किया गया तो ग्रामीण आंदोलन को मजबूर होंगे। जिसके लिए शासन–प्रशासन उत्तरदाई होगा। मामले में लोनिवि थत्यूड़ के ईई सोनू त्यागी का कहना है कि सड़क के डामरीकरण को लेकर विभाग जल्दी ही कार्यवाही को आगे बढ़ायेगा।

डोबरा चांठी–मदननेगी नेगी मोटर मार्ग 5 दिनों से बंद

नई टिहरी। डोबरा चांठी पुल–भीमेश्वर महादेव मन्दिर–बेरबगी–मदननेगी मोटर मार्ग पर जगह जगह मलबा आने के कारण सड़क बंद है। बीते 5 दिन से सड़क नही खुलने से लोगों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोजमर्रा की जरूरत की सामग्री पहुंचाने में लोगों को खासी मशक्कत उठानी पड़ रही है। रैलाकोट के प्रधान अरविंद प्रसाद सहित स्थानीय लोगों में मोहन सिंह, बिजेंद्र सिंह, राकेश आदि का कहना है कि सड़क खोलने के लिए लोक निर्माण विभाग बौराड़ी के इंजीनियरों से कई बार अपील की गई है, लेकिन विभाग सड़क खोलने को लेकर लापरवाह बना हुआ है। जिसका परिणाम है कि 5 दिन से सड़क नही खुल पाई है।

चक्रधर जोशी को उनकी पुण्य तिथि पर किया याद

नई टिहरी। प्रसिद्ध विद्वान व समाज सेवी स्व आचार्य चक्रधर जोशी को उनकी 45 वीं पुण्य तिथि पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गयी। इस मौके पर उनके द्वारा 1946 में स्थापित नक्षत्र वेधशाला में संग्रहित महत्वपूर्ण धरोहरों को संरक्षित किये जाने का आग्रह भी सरकार से किया गया। वहीं केंद्र सरकार की ज्ञान भारतम् योजना में यहां की प्राचीन पांडुलिपियों को पूरी सुरक्षा दिये जाने को कहा गया। स्व आचार्य जोशी ने गढ़वाल क्षेत्र के अनेक प्राचीन शिलालेखों को सबसे पहले सामने लाया था। वहीं ज्योतिष, आयुर्वेद, वास्तु, रसायन तंत्र, मंत्र आदि की दुर्लभ पांडुलिपियों को पूरे देश से संग्रहित किया गया था। खगोलविद् के रूप में उनके द्वारा अनेक विदेशी टेलीस्कोपों व भारतीय समय मापक यंत्रों का भी वेधशाला में संग्रह किया गया। देवप्रयाग महाविद्यालय सहित अनेक संस्थाओं का उन्होंने निर्माण भी करवाया। इस अवसर पर आचार्य जोशी के जर्जर हो चुके अध्ययन कक्ष उत्तरायण का पुनर्निर्माण किये जाने का सांसद अनिल बलूनी से मांग की गई। सांसद बलूनी ने कुछ समय पहले वेधशाला भ्रमण में इसके पुनर्निर्माण की घोषणा की थी।

विकासनगर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में नगर शोभायात्रा निकाली

विकासनगर। सनातन धर्म मंदिर सभा की ओर से आयोजित तीन दिवसीय श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव के समापन पर रविवार को नगर में शोभायात्रा का आयोजन किया गया। इस दौरान भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी की मनमोहक झांकियां देखने को मिली। यात्रा हरि नाम संकीर्तन की धुन पर सनातन धर्म मंदिर से आरंभ होते हुए संपूर्ण नगर में भ्रमण कर वापस सनातन मंदिर में पहुंची। इस दौरान जगह–जगह हरि नाम संकीर्तन और झांकी में नृत्य करते कलाकारों ने माहौल भक्तिमय कर दिया। विभिन्न देवी–देवताओं की झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। इसमें छोटे–छोटे बच्चों ने देवी–देवताओं की भूमिका में सबका मन मोह लिया। खासकर टोकरी में रखे गए भगवान श्रीकृष्ण बनाए गए नन्हें बच्चे ने सबको अपनी ओर आकर्षित किया। यात्रा के मध्य में रथ पर रखे पर पालने में कान्हा के दर्शन के लिए नगरवासी आतुर दिखाई दिए। जहां से शोभा यात्रा गुजरी, लोगों ने पुष्पवर्षा कर कान्हा को प्रसाद चढ़ाया। वहीं स्थानीय महिलाएं और पुरुष इस शोभायात्रा में भारी संख्या में शामिल हुए जिन्होंने भगवान कृष्ण की महिमा का गुणगान किया। बीते शुक्रवार से ही नगर के विभिन्न मंदिरों में कृष्ण जन्माष्टमी पर्व की धूम रही। मंदिरों को आकर्षक तरीके से सजाया गया व पुजारियों द्वारा मंदिर में विराजमान राधा कृष्ण की प्रतिमाओं का आकर्षक श्रृंगार किया गया। इसी क्रम में रविवार को सनातन धर्म सभा द्वारा शोभा यात्रा निकाली गई। सिनेमा गली, कॉलेज रोड, 28 फिटा रोड, सैयद रोड, मुख्य बाजार होते हुए सनातन धर्म मंदिर पहुंची, जहां शोभा यात्रा का समापन हुआ। शोभा यात्रा में श्रद्धालु सबसे आगे धर्म ध्वज लेकर चल रहे थे।

राधा कृष्ण के स्वरूप की भव्य झांकियों का रथ और उनके पीछे रथ पर रखा कान्हा का पालना था। सनातन धर्म सभा के पदाधिकारी व नगर के बाशिंदे भक्ति व श्रद्धा भाव के साथ भक्ति गीतों व थिरकते चल रहे थे।

पारंपरिक व्यंजनों की खुशबू के साथ हुआ लिटरेचर फेस्टिवल का आगाज़

अल्मोड़ा। ग्रीन हिल्स ट्रस्ट की ओर से आयोजित अल्मोड़ा लिटरेचर फेस्टिवल के तीसरे चरण की शुरुआत पारंपरिक व्यंजन प्रतियोगिता से हुई। इस प्रतियोगिता में महिलाओं को कुमाऊंनी परंपरागत व्यंजन और एक रचनात्मक व्यंजन घर से बनाकर लाने थे। आयोजकों ने प्रतिभागियों से आग्रह किया था कि वे अपनी आमा की रेसिपी और उनके स्वाद को संजोते हुए परंपरागत पाक कला को पुनर्जीवित करें। प्रतियोगिता में 25 टीमों ने भाग लिया और स्वाद का अद्भुत जादू बिखेरा। प्रतिभागियों ने भटिया, भट का जौला, मास का चैस, सुंदर कला, रस–भात जैसे पारंपरिक पकवानों के साथ ही केले के कटलेट, भट के कटलेट और सोयाबीन का हलवा जैसी रचनात्मक डिशेज भी प्रस्तुत कीं। निर्णायक मंडल में मीरा जोशी, प्रो. इला साह और परवीन हामिद शामिल रहीं। कार्यक्रम का आयोजन शिखर होटल के सभागार में होटल शिखर एवं रेस्टोरेंट के सौजन्य से हुआ। प्रतियोगिता की गरिमा मुख्य अतिथि लज्जा पंत तथा विशिष्ट अतिथि विनीता लखचौरा, लता बोरा, अंजलि शर्मा, शोभा जोशी और डॉ. दुर्गापाल की उपस्थिति से और बढ़ गई। प्रतियोगिता के परिणाम अल्मोड़ा लिटरेचर फेस्टिवल के दौरान 10 से 12 अक्टूबर को मल्ला महल (पुराना कलेक्ट्रेट) में घोषित किए जाएंगे। विजयी टीमों को 'किचन क्वीन', 'मास्टर शेफ गृहलक्ष्मी' और 'थाली की रानी' का खिताब दिया जाएगा,

युवाओं और महिलाओं के हित में काम करने की जरूरतः इशिता

नई टिहरी। जिला पंचायत टिहरी की नवनिर्वाचित अध्यक्ष इशिता सजवाण ने कहा कि युवाओं और महिलाओं को आगे बढ़ाना के लिए अभी भी काम करने की जरूरत है।

कहा कि गांवों की मूलभूत सुविधाओं के लिए सभी के सहयोग से काम किया जाएगा। कहा कि वह लंबे समय से सामाजिक क्षेत्र में काम करती रही है। लेकिन अब अध्यक्ष के रूप में उन्हें निर्णय लेने के अधिकार मिलने से सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने में और मजबूती मिलेगी। रविवार को एक अनौपचारिक बातचीत में नवनिर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष इशिता सजवाण ने कहा कि टिहरी जिला पंचायत में पहली बार सबसे कम उम्र की अध्यक्ष वह चुनी गई है। इशिता सजवाण कम उम्र के साथ ही पहली निर्विरोध अध्यक्ष भी बनी हैं। कहा कि सभी जनप्रतिनिधियों से लेकर जिला पंचायत सदस्यों के सहयोग से जिले के विकास के लिए काम किया जाएगा। कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने निरंतर जनहित के लिए कार्य कर रही है। ऐसे में सरकार की योजनाओं का अधिक लोगों को लाभ पहुंचाने के लिए कार्य किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि वह 2021 से विभिन्न सामाजिक संगठनों के माध्यम से व्यक्तिगत प्रयासों से शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार के लिए कार्य कर ही है। लेकिन अब अध्यक्ष बनने से इन कार्यों को भी आगे बढ़ाने में मजबूती मिलेगी। कहा कि गांव में महिलाओं की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के निराकरण के लिए मिलकर कार्य किया जाएगा।

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
–सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com